पीएम मोदी ने देश के विभाजन.... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

'लव एंड वॉर' का हिस्सा.... 11

वर्ष - 02, अंक - 133 | गाजियाबाद / शनिवार 15 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई

सभी पाठक, संवाददाता, विज्ञापनदाताओं एवं सभी देश-प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई।

अवकाश की सूचना

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिनांक 15 अगस्त को कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 17 अगस्त को प्रकाशित होगा।

– संपादक

15 अगस्त पर अभेद्य बना दिल्ली

जमीन से आसमान व यमुना की लहरों तक सुरक्षा का घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर राजधानी दिल्ली व ऐतिहासिक लाल किले की सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से 'अभेद्य' बना दिया गया है। लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री के राष्ट्र को संबोधन व देशभर से जुटने वाले अतिविशिष्ट अतिथियों की सुरक्षा के मद्देनजर दिल्ली पुलिस, पैरा मिलिट्री फोर्सेस, एनएसजी, एनडीआरएफ और दिल्ली फायर सर्विस सहित तमाम केंद्रीय व राज्य स्तरीय सुरक्षा एजेंसियों ने एक बहुस्तरीय एवं एकीकृत सुरक्षा चक्र तैयार किया है। जमीन पर कड़े पहरे से लेकर आसमान से स्नाइपर्स की नजर और यमुना नदी की लहरों पर लगातार गश्त तक राजधानी में चप्पे-चप्पे की निगरानी की जा रही है। साथ ही लालकिले के आसपास हवा के जरिए खतरे का पता लगाने के लिए अत्याधुनिक हैजमेट वाहन भी तैनात किए गए हैं।

उत्तर दिल्ली के डीसीपी राजा बांठिया के मुताबिक स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए लाल किले व आसपास के क्षेत्रों के लिए सुरक्षा व्यवस्था को दो मुख्य घटकों में विभाजित किया गया है। दिल्ली पुलिस, ट्रैफिक यूनिट, नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट टीम, लोकल पुलिस, पीसीआर, स्पेशल ब्रांच व स्पेशल सेल समेत विभिन्न एजेंसियों के लगभग 15 से 20 हजार सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।

कमांडो व एचआईटी टीम

सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स की कई टुकड़ियों के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के स्नाइपर्स, 'एचआईटी टीम' और क्विक रिएक्शन टीम लाल किले की ऊंची इमारतों व वॉचटॉवर पर मुस्तैद हैं।

ऑल-बॉर्डर सीलिंग

शाहदरा जिले के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने जानकारी दी कि शाहदरा जिले सहित दिल्ली की सभी सीमाओं को 14 अगस्त की रात 10 बजे से ही सील कर दिया गया है, जो कार्यक्रम के शांतिपूर्ण समापन तक लागू रहेगा। जिले भर में स्थायी पिकेट्स के अलावा विशेष अस्थायी पिकेट्स लगाकर गहन सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

यमुना व खादर इलाकों में 24 घंटे बोट पेट्रोलिंग

लाल किले के पीछे बहने वाली यमुना नदी व उसके निकटवर्ती खादर (यमुना का तटीय मैदानी इलाका) सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील क्षेत्र माने जाते हैं। किसी भी घुसपैठ या असामाजिक तत्वों की आवाजाही को रोकने के लिए शाहदरा व उत्तर जिला पुलिस ने अभूतपूर्व जल-सुरक्षा अभियान चलाया है। वहीं गीता कॉलोनी व काली नगर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में दो विशेष नावें तैनात की गई हैं, जो यमुना नदी की लहरों पर दिन-रात लगातार पेट्रोलिंग कर रही हैं।

खादर में चेकिंग व सत्यापन

यमुना खादर इलाके में रुके हुए हर व्यक्ति का कड़ाई से क्रेडेंशियल व पहचान पत्र सत्यापित किया जा रहा है। सुरक्षा बल यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि नदी के किनारे या खादर में कोई भी अनधिकृत व्यक्ति न ठहरे। यह अभियान 15 अगस्त को सुरक्षा कार्यक्रम पूरा होने तक बिना रुके जारी रहेगा।

एफआरएस व एंटी-ड्रोन सिस्टम दे रहे हाईटेक सुरक्षा

स्वतंत्रता दिवस के लिए विशेष तौर पर लाल किले व उसके आसपास 1,000 से अधिक हाई-डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इनमें फेस रिकग्निशन सिस्टम, आटोमैटिक नंबर प्लेट रिकनिशन (अठढफ) और घुसपैठ की पहचान जैसी वीडियो एनालिटिक्स तकनीक शामिल हैं।

कंट्रोल रूम और बॉडी-वॉर्न कैमरे

इन कैमरों की लाइव फीड की निगरानी के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित कर्मियों से लैस हाई-टेक कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। इसके अतिरिक्त ऑन-ग्राउंड तैनात कई पुलिसकर्मी बॉडी-वॉर्न कैमरों से लैस हैं, जिससे हर गतिविधि का लाइव रिकॉर्ड रखा जा सके।

एंटी-ड्रोन व सोशल मीडिया मॉनिटरिंग

आसमान में किसी भी अनाधिकृत ड्रोन, पतंग या उड़ती हुई वस्तु को बेअसर करने के लिए लाल किले के आसपास अत्याधुनिक 'एंटी-ड्रोन सिस्टम' सक्रिय किए गए हैं। इसके साथ ही अफवाहों या संदिग्ध गतिविधियों को रोकने के लिए सोशल मीडिया चैटर पर भी पुलिस की स्पेशल सेल 24 घंटे नजर रख रही है।

योगी सरकार ने 332 नायब तहसीलदारों को दी पदोन्नति, बने तहसीलदार

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने राजस्व परिषद के नायब तहसीलदारों को तहसीलदार पद पर पदोन्नति दी है। चयन वर्ष 2026-27 के नियमित चयन के तहत कुल 332 नायब तहसीलदारों को तहसीलदार पद पर पदोन्नत किया गया है। परिषद की ओर से शुक्रवार को आदेश जारी किया गया है। पदोन्नति संबंधी निर्णय छह और सात अगस्त को हुई विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक की संस्तुति के आधार पर लिया गया है। पदोन्नत अधिकारियों को तहसीलदार पद का कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा गया है। आदेश में पदोन्नति के लिए निर्धारित शर्तों और शासनादेशों का पालन करने के निर्देश भी दिए गए हैं। पदोन्नति के बाद तहसीलदार पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-10 लागू होगा। इसमें 56 हजार 100 से एक लाख 77 हजार 500 रुपये तक का वेतनमान निर्धारित है।

सीएम धामी ने पीपलकोटी में टनल अंदर जाकर लिया हालात का जायजा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली जिले के पीपलकोटी-मायापुर क्षेत्र में टीएचडीसी की निर्माणाधीन टनल में पानी रिसने और मलबा आने की घटना में अब तक सात श्रमिकों की मौत हुई है। हादसे के बाद करीब 22 श्रमिकों के फंसे होने की सूचना मिली थी, जिनमें से 19 को बाहर निकाला जा चुका है। इनमें 12 घायल हैं, जबकि तीन श्रमिकों की तलाश जारी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सुरंग के भीतर जाकर बचाव कार्यों की स्थिति देखी और अभियान में जुटी टीमों से जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने मुख्यमंत्री को अब तक हुए रेस्क्यू अभियान और मौके पर चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुरंग में फंसे 22 लोगों में से 19 को अब तक बाहर निकाला जा चुका है, जबकि तीन लोगों की तलाश जारी है। हादसे में अब तक सात लोगों की मौत की सूचना है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेष तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों और तकनीकी विशेषज्ञता का प्रभावी इस्तेमाल किया जाए। उन्होंने एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी, पुलिस और अन्य बचाव दलों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने तथा अभियान को पूरी सावधानी के साथ जारी रखने को कहा।

दिल्ली हाई कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस से ठीक एक दिन पहले शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली। बम की धमकी ई-मेल के जरिये मिली। हालांकि पड़ताल के बाद बम की यह धमकी अफवाह निकली। सुबह उच्च न्यायालय को ई-मेल से धमकी मिली कि दोपहर 2 बजकर 11 मिनट पर न्यायालय में 30 एमबी का ब्लास्ट होगा। वहीं, जिला अदालतों में 3 बजकर 11 बजे बम ब्लास्ट की धमकी दी गई। ई-मेल में लिखा था कि ह्यदिल्ली बनेगा खालिस्तान। दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि पुलिस इससे निपटने के सभी प्रयास कर रही है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के ज्वाइंट सेक्रेटरी कुणाल मल्होत्रा ने कहा कि बम की धमकी झूठी थी और सभी एहतियाती कदम उठाए गए हैं। इसके पहले भी 12 सितंबर 2025 को उच्च न्यायालय को बम की धमकी मिली थी। 17 अगस्त 2017 को भी दिल्ली पुलिस मुख्यालय को फोन कर इस बात की धमकी दी गई थी कि उच्च न्यायालय को उड़ा दिया जाएगा।

ड्रग्स सिंडिकेट के चार नेपाली नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली पुलिस के दक्षिण जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए नेपाल से दिल्ली-एनसीआर तक फैले कथित अंतरराष्ट्रीय चरस तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। दो चरणों में की गई कार्रवाई में चार नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार कर कुल 106.250 किलो उच्च गुणवत्ता वाली चरस बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 109 करोड़ रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार 29 जून को कोटला मुबारकपुर में कार्रवाई के दौरान भारत थापा, गोविंद बुधा और एक महिला को गिरफ्तार कर 8.598 किलो चरस बरामद की गई थी। इसके बाद आरोपियों से पूछताछ, तकनीकी निगरानी और जमीनी सूचना के आधार पर पुलिस बड़े सप्लाई नेटवर्क तक पहुंची।

जांच के दौरान दिल्ली के वजीराबाद में चरस के बड़े भंडारण केंद्र का पता चला। 12 अगस्त को यहां छापेमारी कर 97.652 किलो चरस 13 प्लास्टिक बैग में बरामद की गई। साथ ही मिक्सिंग मशीन और पैकिंग सामग्री भी मिली। मौके से 32 वर्षीय नेपाली महिला को गिरफ्तार किया गया।

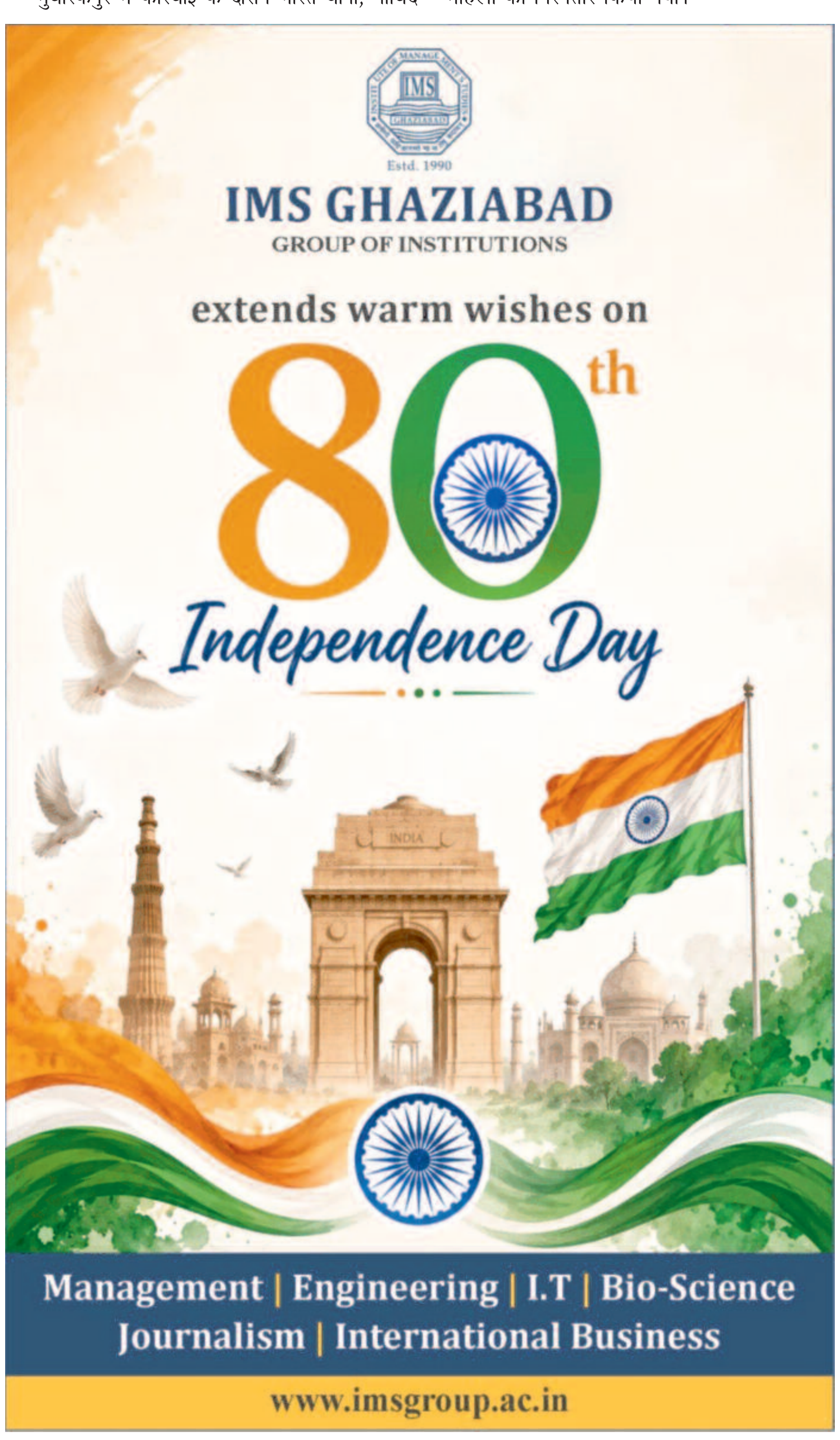

हाइड्रोलिक सिस्टम फेल होने की वजह से 4 सेकंड तक बेकाबू रहा विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। फुकेट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट में 4 अगस्त को 20 से ज्यादा यात्रियों के लिए सफर खौफनाक बन गया। उड़ान के दौरान एयरबस ए-320 अचानक करीब 300 फीट नीचे गिर गया, जिससे विमान में अफरा-तफरी मच गई। कई यात्री और क्रू मेंबर्स झटके के कारण सीटों से उछलकर विमान की छत से जा टकराए। हादसे में 24 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। अब शुरुआती तकनीकी जांच में हादसे को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। जांच के मुताबिक विमान करीब 4 सेकंड तक पूरी तरह नियंत्रण से बाहर हो गया था। इस दौरान विमान के तीनों हाइड्रोलिक सिस्टम में एक साथ खराबी आ गई। हाइड्रोलिक पावर प्रभावित होने के कारण एलिवेटर्स और एलरोन्स ने काम करना बंद कर दिया। एलिवेटर्स विमान को ऊपर-नीचे नियंत्रित करते हैं, जबकि एलरोन्स उसकी दिशा बदलने में मदद करते हैं। इसी दौरान ऑटोपायलट भी बंद हो गया और कॉकपिट में 'स्टॉल' की चेतावनी बजने लगी। स्थिति बिगड़ती देख को-पायलट ने तय प्रक्रिया के तहत कंट्रोल स्टिक को आगे की ओर झुकाया, ताकि विमान को नीचे लाकर नियंत्रण हासिल किया जा सके। लेकिन हाइड्रोलिक सिस्टम में दबाव नहीं होने के कारण विमान ने तत्काल प्रतिक्रिया नहीं दी। कुछ सेकंड बाद जब तीनों हाइड्रोलिक सिस्टम दोबारा सक्रिय हुए तो विमान तेजी से नीचे की ओर जाने लगा। इसी दौरान यात्री और क्रू सदस्य छत से टकरा गए। प्रारंभिक जांच में हाइड्रोलिक प्रेशर स्विच में खराबी की आशंका जताई गई है। हालांकि हादसे के अंतिम कारण की अभी पुष्टि नहीं हुई है। भारतीय जांच एजेंसी के साथ एयरबस और फ्रांस की विमान दुर्घटना जांच एजेंसी के विशेषज्ञ भी मामले की जांच कर रहे हैं। इस हादसे के बीच पायलट को लेकर भी गंभीर सवाल उठे हैं। जांच में उसके शरीर में गांजे के सेवन के संकेत मिलने की बात सामने आई है। पायलट ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि वह लंबे समय से नींद की समस्या से जूझ रहा है और पारिवारिक डॉक्टर की सलाह पर नींद की दवा लेता है। घटना के समय पायलट अपनी सीट पर मौजूद नहीं था और को-पायलट विमान उड़ा रहा था। बताया गया है कि पायलट यात्रियों की स्थिति देखने के लिए केबिन में गया था। लैंडिंग के बाद भी उसकी हालत ठीक नहीं थी और उसे सहारे की जरूरत पड़ी। जांच में यह बात भी सामने आई है कि उड़ान के दौरान पायलट के वॉशरूम जाने पर एक अटेंडेंट कुछ समय के लिए उसकी सीट पर बैठा था। पूरे मामले की विस्तृत जांच के बाद ही हादसे की असली वजह और जिम्मेदारी स्पष्ट हो सकेगी।

सोनमर्ग में बादल फटने से भारी तबाही, सड़क मार्ग बंद, रेस्क्यू टीमें तैनात

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग के रंगा मोड इलाके में गुरुवार को बादल फटने से भारी तबाही हुई। बाढ़ के कारण भूस्खलन-कीचड़ से सड़क मार्ग बुरी तरह प्रभावित हुआ। नदियों के जलस्तर में अचानक भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई। प्रशासन ने स्थानीय लोगों को नदी के किनारों और जल स्रोतों के पास न जाने की सलाह दी गई है। सोनमर्ग में भारी बारिश के बीच श्रीनगर और लेह राजमार्ग प्रभावित हुआ है। एहतियात के तौर पर प्रशासन ने हाईवे को बंद कर दिया है। गनीमत रही कि इस घटना में किसी तरह के जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटना की सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीमों को तैनात कर दिया गया है। सड़क को साफ करने और जल्द से जल्द यातायात बहाल करने के लिए बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन के कर्मियों और मशीनों को तुरंत मौके पर भेजा गया है। स्थानीय प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और यात्रियों और चालकों को प्रभावित क्षेत्र से गुजरते समय अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी है। बता दें यह घटना घाटी में पिछले कुछ दिनों से जारी खराब मौसम के बीच आई है। इससे लगभग 10 दिन पहले 3 अगस्त को भी घाटी में कई जगहों पर बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई थी, जिसके चलते सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था।

राहुल की याचिका पर सुनवाई 17 को

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने आय से अधिक संपत्ति के आरोपों से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट 17 अगस्त को याचिका पर सुनवाई कर सकता है। याचिका में हाईकोर्ट के उस आदेश पर सवाल उठाए गए हैं, जिसमें मामले की जांच से जुड़े सीबीआई के जवाब पर असंतोष जताया गया था। हाईकोर्ट ने 20 जुलाई को सीबीआई के जवाब पर असंतोष जताते हुए वरिष्ठ अधिकारी से नया हलफनामा मांगा था।

चंबा और नासिक में भूकंप के झटके, सुबह-सुबह कांपी धरती

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के चंबा और महाराष्ट्र के नासिक में शुक्रवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। दोनों राज्यों में आए भूकंप की तीव्रता कम रही, जिससे किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। हालांकि, अचानक धरती हिलने से लोगों में दहशत का माहौल बन गया। नासिक में कुछ घंटों के अंतराल में दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए, जबकि चंबा में सुबह के समय धरती कांपी। भले झटके हल्के थे लेकन लोग डर गए और घरों से बाहर निकल पड़े। हिमाचल प्रदेश के चंबा में शुक्रवार सुबह करीब 6:30 बजे भूकंप आया। इसकी तीव्रता 3.0 मापी गई। भूकंप का केंद्र चंबा में जमीन से करीब 5 किलोमीटर नीचे बताया गया है। इसका केंद्र 33.131 अक्षांश और 76.585 देशांतर पर दर्ज किया गया। कम तीव्रता के कारण फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं, महाराष्ट्र के नासिक जिले में शुक्रवार को कुछ घंटों के अंतराल में दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। पहला झटका रात 12:05 बजे आया, जिसकी तीव्रता 3.5 थी। इसके बाद सुबह 5:32 बजे 3.4 तीव्रता का दूसरा भूकंप दर्ज किया गया। झटके महसूस होने के बाद कुछ इलाकों में लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, दोनों घटनाओं में किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। इससे पहले महाराष्ट्र के पालघर जिले में भी हाल के दिनों में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

वांगचुक बोले- ऐसे तो 2047 तक विकसित देश नहीं बन पाएगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने भारत की प्रति व्यक्ति आय और देश की मौजूदा व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा है कि अगर हालात इसी तरह बने रहे तो भारत 2047 तक विकसित देश नहीं बन पाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले 50 वर्षों में भारत से पीछे या उसके बराबर रहे कई देश आर्थिक और सामाजिक विकास के मामले में आगे निकल गए हैं। श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड, मलेशिया और इंडोनेशिया का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि भारत को वैश्विक स्तर पर सम्मानजनक स्थान बनाए रखने के लिए बड़े बदलाव जरूरी हैं।

गुरुवार देर रात जारी एक वीडियो संदेश में वांगचुक ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। इस दौरान उन्होंने देश और उसके भविष्य को लेकर काफी विचार किया। उन्होंने कहा कि देश की शासन व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को किसी एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं किया जा सकता। अलग-अलग दलों की सरकारों के दौरान भी विरोध की आवाजों को दबाने की शिकायतें सामने आती रही हैं।

वांगचुक ने 2012-13 के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि इसके बाद राजनीतिक बदलाव जरूर हुआ, लेकिन सरकार बदलने के बावजूद भ्रष्टाचार और अन्याय जैसी समस्याएं खत्म नहीं हुईं। उनके मुताबिक अब ये समस्याएं नए रूप में और ज्यादा गंभीर हो गई हैं। उन्होंने देश में नेतृत्व चुनने की प्रक्रिया में बदलाव की जरूरत बताते हुए शांतिपूर्ण क्रांति का आह्वान किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने क्षेत्र और देश में ऐसे निस्वार्थ, निडर, चरित्रवान और सक्षम लोगों की पहचान करें, जो देश को नई दिशा दे सकें। वांगचुक ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक ऐसे व्यक्ति का नाम सुझाए। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों से मिलना उनके लिए स्वतंत्रता दिवस का तोहफा होगा और वे देश का नया भविष्य तैयार करने में उनकी भूमिका देखना चाहते हैं।

शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी वांगचुक ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद भी उन्हें नए नेतृत्व से बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। देश की प्रगति सीधे तौर पर शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी है और जब तक शिक्षा पीछे रहेगी, देश का भविष्य भी प्रभावित होगा। वांगचुक ने 28 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट-यूजी पेपर लीक और परीक्षा व्यवस्था में गड़बड़ियों के खिलाफ अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की थी। तबीयत बिगड़ने पर 18 जुलाई को उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। बाद में इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया गया। सरकार के आश्वासन के बाद उन्होंने 24 जुलाई को भूख हड़ताल समाप्त कर दी थी।

पीएम मोदी ने देश के विभाजन का दर्द झेलने वालों को याद कर किया नमन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेन्द्र मोदी ने 14 अगस्त 1947 में हुए देश के विभाजन के पीड़ितों को शुक्रवार को याद किया। केंद्र सरकार देश के विभाजन के बाद हुए दंगों और बड़े पैमाने पर लोगों के विस्थापन के दौरान जान गंवाने वालों की स्मृति में 2021 से 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मना रही है। पीएम मोदी ने एक्स पर कहा कि आज हम 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मना रहे हैं। हम विभाजन से प्रभावित सभी लोगों के साहस को याद करते हैं। यह इतिहास का एक ऐसा क्षण था, जिसने कई जिंदगियां तबाह कर दीं। कई परिवार उजड़ गए, कई लोगों को अपनों को खोना पड़ा और लोगों ने अत्यधिक पीड़ा झेली। पीएम मोदी ने कहा कि इस उथल-पुथल के बावजूद लोगों ने शून्य से अपना जीवन फिर खड़ा किया, विपरीत परिस्थितियों को उपलब्धियों में बदला और राष्ट्र की प्रगति में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि इन लोगों का जीवन सभी को मानवीय जिजीविषा की शक्ति की याद दिलाता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम ने कहा कि यह दिन हमारे देश में सद्भाव और भाईचारा बनाए रखने और 'विकसित भारत' के निर्माण की दिशा में सामूहिक रूप से काम करने के हमारे संकल्प को और मजबूत करे। उन्होंने कहा कि आइए, हम सद्भावना और एकता की राष्ट्रीय भावना को और सुदृढ़ करें। भारत शनिवार को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाएगा।

भारत को बड़ी कामयाबी: यूएई से आएगा ड्रग सरगना वीरेंद्र बसोया

-केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा.... कोई नहीं बचेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ अपनी लड़ाई में एक बड़ी कामयाबी पाई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) अंतरराष्ट्रीय ड्रग सरगना और भगौड़े आरोपी वीरेंद्र सिंह बसोया को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत लाएगी। यह इस साल दूसरी बड़ी सफलता है, इसके पहले अप्रैल में दाऊद इब्राहिम के करीबी सलीम डोला को तुर्की से गिरफ्तार कर भारत प्रत्यर्पित किया गया था। डोला करीब 5000 करोड़ के अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का हिस्सा था।

केंद्रीय मंत्री शाह ने पोस्ट कर कहा कि कोई भी ड्रग तस्कर भारतीय कानून के लंबे हाथों से बच नहीं पाएगा, चाहे वह कहीं भी छिप जाएं। उन्होंने कामयाबी को नशीले पदार्थों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने की नीति में एक नया मील का पत्थर बताया। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार विदेशों में छिपे मादक पदार्थ तस्करों का लगातार पता लगा रही है और उनके पूरे नेटवर्क को खत्म करने का काम कर रही है। जांच एजेंसियों द्वारा अपनाई गई टॉप-टू-बॉटम और बॉटम-टू-टॉप रणनीति ने एक बार फिर साबित कर दिया हैं कि इसतरह के अपराधी कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं।

मोदी सरकार ने जून 2026 में ड्रग कंट्रोल पर विजन डॉक्यूमेंट (2026-2029) और एनसीबी की वार्षिक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें प्रवर्तन, खुफिया, रोकथाम और पुनर्वास के लिए 40 से अधिक मंत्रालयों और विभागों को शामिल कर राष्ट्रीय योजना भी शामिल है। इतनी ही नहीं केंद्र सरकार नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट में कमियों की भी समीक्षा कर रही है, साथ ही उन रसायनों के वर्गीकरण की भी समीक्षा की जा रही है जिनका उपयोग ड्रग्स बनाने में किया जाता है, ताकि ड्रग्स के खिलाफ कानूनी लड़ाई को और मजबूत किया जा सके।

हल्द्वानी में मंच शुद्धिकरण पर मचा सियासी घमासान

राहुल गांधी ने भाजपा-आरएसएस पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषण के बाद मंच के कथित शुद्धिकरण को लेकर सियासी विवाद तेज हो गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस घटना को लेकर भाजपा और आरएसएस पर मनुवादी सोच को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ऐसी मानसिकता में व्यक्ति की हैसियत उसके जन्म से तय की जाती है, जबकि देश का संविधान समानता और इंसानियत की बात करता है। कांग्रेस ने भी मामले के विरोध में 14 अगस्त को देशभर के जिला मुख्यालयों पर मार्च और सत्याग्रह का ऐलान किया है।

राहुल गांधी ने गुरुवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह सोच आज भी समाज में मौजूद है और इंसान की पहचान उसके जन्म के आधार पर तय करने की कोशिश करती है। उन्होंने मंच के शुद्धिकरण की घटना को इसी मानसिकता से जोड़ते हुए भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधा। इससे पहले खड़गे ने राज्यसभा में हल्द्वानी की घटना का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा कि 8 अगस्त को रामलीला मैदान में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने बड़ी संख्या में मौजूद लोगों को संबोधित किया था। उनके मुताबिक, भाषण के दौरान उन्होंने किसी जाति या धर्म का नाम नहीं लिया और केवल लोगों की समस्याओं को सामने रखा। खड़गे का आरोप है कि उनके भाषण के बाद कुछ लोगों ने हवन कर मंच का शुद्धिकरण किया। खड़गे ने कहा कि वे अनुसूचित जाति से आते हैं और लंबे समय से सार्वजनिक जीवन में हैं, लेकिन कभी किसी के सामने अपने सम्मान या सुरक्षा के लिए नहीं झुके। उन्होंने मंच का शुद्धिकरण करने वालों के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग की।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने घटना को दुखद बताया। उन्होंने कहा कि अगर खड़गे की भावनाएं आहत हुई हैं तो यह केवल कांग्रेस ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए चिंता की बात है। उन्होंने कहा कि ऐसी किसी गतिविधि का समर्थन नहीं किया जाता और मामले की जांच के बाद दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करने की अपील की। मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के बाबू जगजीवन राम के बाद दूसरे दलित अध्यक्ष हैं। वे कर्नाटक से अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत करने के बाद कई बार विधायक रहे। इसके बाद लोकसभा और राज्यसभा में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं। 2022 में वे कांग्रेस अध्यक्ष चुने गए।

स्वतंत्रता दिवस : पुलिस और फायर कर्मियों को 1057 वीरता एवं सेवा पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर केंद्र सरकार ने पुलिस, अग्निशमन सेवा, होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा और सुधारात्मक सेवा के कुल 1,057 कर्मियों को उनके असाधारण साहस और विशिष्ट सेवाओं के लिए विभिन्न पदकों से सम्मानित करने की घोषणा की है। यह सम्मान देश की सेवा में उनके समर्पण और बलिदान को रेखांकित करता है। इन कुल पदकों में से 301 वीरता पदक हैं, जो जीवन की रक्षा, अपराध रोकने या अपराधियों को गिरफ्तार करने के दौरान दिखाए गए अदम्य साहस के लिए प्रदान होते हैं। इसमें से 197 पदक वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में तैनात कर्मियों को, 51 जम्मू-कश्मीर क्षेत्र से और 12 पूर्वोत्तर क्षेत्र से संबंधित हैं। इन वीरता पदकों में 272 पुलिसकर्मी और 29 अग्निशमन सेवा कर्मी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 92 कर्मियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक (पीएसएम) प्रदान किया जाएगा। यह पदक सेवा में उनके उत्कृष्ट और विशिष्ट रिकॉर्ड के लिए मिलता है। इसमें 83 पुलिसकर्मी, चार अग्निशमन सेवा, तीन नागरिक सुरक्षा एवं होमगार्ड और दो सुधारात्मक सेवा के अधिकारी शामिल हैं। वहीं, 664 कर्मियों को सराहनीय सेवा पदक (एमएसएम) से नवाजा जाएगा, जो कर्तव्य के प्रति समर्पण और सूझबूझ से की गई बहुमूल्य सेवा को दर्शाता है। इन पदकों में 606 पुलिसकर्मी, 28 अग्निशमन सेवा कर्मी, 18 नागरिक सुरक्षा एवं होमगार्ड और 12 सुधारात्मक सेवा के अधिकारी शामिल हैं। यह घोषणा देश की आंतरिक सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं को मजबूत करने वाले इन कर्मियों के प्रति राष्ट्र के सम्मान को व्यक्त करती है।

सांसद मिश्रा के सौरव दास ने पूछा- 14 करोड़ कहां उड़ा दिए?

-आईआईटी मद्रास निदेशक वी. कामकोटी के समर्थन में 38 देशों के वैज्ञानिकों समेत 14 हजार से अधिक लोगों के हस्ताक्षर का दावा

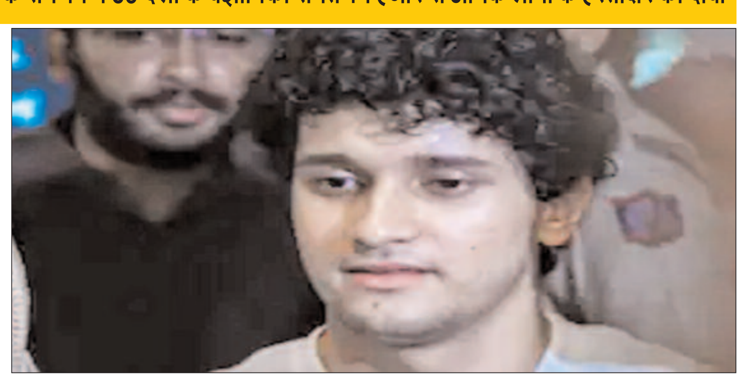

नई दिल्ली (एजेंसी)। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के अध्यक्ष और भाजपा के राज्यसभा सांसद मनन कुमार मिश्रा को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शुक्रवार को तीखा हमला बोला। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने आरोप लगाया कि बीसीआई ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में बैठकों और गतिविधियों पर करीब 14.22 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि यात्रा और आवास पर भी बड़ी रकम खर्च हुई। उन्होंने सवाल उठाया कि संस्था का पैसा किस तरह और किन मदों में खर्च किया जा रहा है।

विवाद की शुरुआत बीसीआई के उस आदेश से हुई, जिसमें हैदराबाद स्थित नालसर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के 2026 बैच के छात्रों के अधिवक्ता के रूप में नामांकन पर रोक लगा दी गई थी। आदेश के मुताबिक कुछ छात्रों ने विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को मुख्य अतिथि बनाए जाने का विरोध किया था। बीसीआई ने विश्वविद्यालय से तीन दिन के भीतर रिपोर्ट और संबंधित छात्रों के नाम मांगे थे। आदेश में कहा गया था कि सर्वोच्च न्यायिक पद का सम्मान नहीं करने वाले छात्र जिम्मेदार अधिवक्ता नहीं बन सकते। इस कार्रवाई की आलोचना करते हुए सौरव दास ने इसे अनुचित और दमनकारी बताया। उन्होंने आदेश वापस नहीं लेने पर बीसीआई कार्यालय और मनन कुमार मिश्रा के आवास के बाहर प्रदर्शन की चेतावनी दी। सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने भी मिश्रा के लंबे कार्यकाल और उनकी भूमिका पर सवाल उठाए।

हालांकि आदेश जारी होने के कुछ ही घंटों बाद बीसीआई ने अपना रुख बदल दिया। पहले स्पष्ट किया गया कि अधिकांश छात्रों की कोई गलती नहीं है और उन्हें नामांकन की अनुमति दी जाएगी। बाद में मनन कुमार मिश्रा ने घोषणा की कि 2026 बैच के छात्रों के खिलाफ पूरी कार्रवाई बंद कर दी गई है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ताओं, बार सदस्यों और छात्रों की प्रतिक्रियाओं के बाद बीसीआई इस निष्कर्ष पर पहुंची कि छात्रों की किसी गड़बड़ी में भूमिका नहीं थी।

इसके बाद सीजेपी ने बीसीआई के खर्चों को मुद्दा बनाया। सौरव दास ने बीसीआई के आधिकारिक ऑडिटेड आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 2024-25 में गतिविधियों और बैठकों पर करीब 14.22 करोड़ रुपये खर्च हुए, जबकि संस्था की कुल आय लगभग 234 करोड़ रुपये थी। उन्होंने सवाल उठाया कि लंबे समय से बीसीआई का नेतृत्व कर रहे मिश्रा ने युवा वकीलों और लॉ स्कूलों के कल्याण के लिए क्या किया। छात्रों पर कार्रवाई वापस लिए जाने को सीजेपी ने अपनी बड़ी जीत बताया है। हालांकि पार्टी ने अब भी मिश्रा की जवाबदेही और इस्तीफे की मांग को लेकर दबाव बनाए रखने का संकेत दिया है।

मंड विवाद को लेकर प्रदर्शन, पुलिस ने किया बल प्रयोग दागे आंसू गैस के गोले

-पुलिसकर्मियों समेत प्रदर्शनकारी घायल, मंड पर एफआईआर दर्ज करने की मांग

अंबाला (एजेंसी)। अंबाला एनएच-44 पर गुरसिमरन सिंह मंड विवाद को लेकर शुरू हुआ प्रदर्शन देर रात तक जारी रहा। मंड और उनके बेटे के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद भी प्रदर्शनकारी गिरफ्तार किए गए तीन युवकों की रिहाई की मांग पर अड़े रहे। दोपहर करीब 2 बजे से रात 9 बजे तक एनएच-44 पर यातायात बाधित रहा। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच सहमति नहीं बनने के बाद आखिरकार पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अंबाला के पंजोखरा साहिब में गुरसिमरन सिंह मंड विवाद को लेकर सिख समाज का प्रदर्शन कई घंटे तक जारी रहा। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग थी कि मामले में गिरफ्तार किए गए तीन युवकों को रिहा किया जाए और गुरसिमरन सिंह मंड और उनके बेटे के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। प्रदर्शन के बीच पुलिस ने मंड और उनके बेटे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी, लेकिन प्रदर्शनकारी तीनों गिरफ्तार युवकों की रिहाई पर अड़े रहे। वहीं पुलिस की ओर से युवकों की जमानत करवाने की बात कही जाती रही, लेकिन दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बनी। इसके चलते दोपहर करीब 2 बजे से रात 9 बजे तक दिल्ली-अमृतसर नेशनल हाईवे-44 पर यातायात प्रभावित हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक कई घंटे तक हाईवे बंद रहने के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए फोर्स का इस्तेमाल किया। पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागकर प्रदर्शनकारियों को हाईवे से खदेड़ा और इसके बाद एनएच-44 पर यातायात सुचारू करवाया गया। इस कार्रवाई में कुछ पुलिसकर्मियों के घायल होने की भी जानकारी सामने आई, जबकि प्रदर्शनकारियों को भी चोटें आईं हैं। फिलहाल पुलिस की कार्रवाई के बाद हाईवे पर स्थिति को नियंत्रित किया गया है। बता दें दोपहर बाद अंबाला के पंजोखरा को जाने वाले रास्ते में पड़ते एनसीसी स्कूल के बाहर ही पुलिस ने सिख प्रदर्शनकारियों को रोक लिया था, जहां तनाव बढ़ते ही पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। स्कूल की छुट्टी के समय हुई इस कार्रवाई के कारण बच्चे स्कूल के अंदर फंस गए। परिजनों में अफरा-तफरी मच गई थी। सिख समाज के प्रतिनिधि गिरफ्तार युवाओं की रिहाई और गुरसिमरन सिंह मंड के खिलाफ एफआईआर की मांग कर रहा है। फिलहाल पंजोखरा साहिब से लेकर एनएच-44 तक तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। पुलिस प्रशासन की ओर से स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास जारी हैं। बता दें हरियाणा के अंबाला स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा पंजोखरा साहिब में श्री गुरु हरकिशन साहिब के प्रकाश पर्व के अवसर पर 7 अगस्त को माथा टेकने पहुंचे ऑल इंडिया कीर्तन फैडरेशन के नेशनल प्रेसिडेंट गुरसिमरन सिंह मंड की गाड़ी पर हमला किया गया था।

बांग्लादेश का चीन प्रेम: भारत के लिए संकट पैदा करने वाला , भू-राजनीतिक विशेषज्ञ ने चेताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भू-राजनीतिक विशेषज्ञ ब्रह्मा चेलानी ने बांग्लादेश की विदेश नीति में चीन के बढ़ते प्रभाव पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश अब चीन के करीब जाता दिख रहा है, जिससे भारत के लिए नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। चेलानी के अनुसार, प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने पद संभालने के बाद भारत के बजाय चीन और मलेशिया को अपनी पहली विदेशी यात्राओं के लिए चुना, जो बांग्लादेश की विदेश नीति में बदलाव का स्पष्ट संकेत है। चेलानी ने याद दिलाया कि फरवरी में रहमान के प्रधानमंत्री बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें बधाई देने वाले शुरुआती नेताओं में थे और उन्होंने रहमान को नई दिल्ली की राजकीय यात्रा का औपचारिक निमंत्रण भी दिया था। हालांकि, रहमान ने यह निमंत्रण स्वीकार नहीं किया। चेलानी का मानना है कि 2024-25 की हिंसक राजनीतिक उथल-पुथल के बाद बांग्लादेश में बने घरेलू राजनीतिक दबाव के कारण रहमान पर नई दिल्ली से अपनी दूरी दिखाने का दबाव था।

जून में मलेशिया और चीन की यात्रा के दौरान, रहमान ने बीजिंग में चीन को बांग्लादेश का सबसे मूल्यवान और भरोसेमंद साझेदार बताया, जो ढाका के चीन की ओर बढ़ते झुकाव को और स्पष्ट करता है। इस यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण समझौते हुए, जिसमें बंगाल की खाड़ी में मोंगला और चट्टोग्राम बंदरगाहों के विकास में चीन की भागीदारी, भारत के संवेदनशील सिलीगुड़ी गलियारे के पास प्रस्तावित तीस्ता नदी जल परियोजना, रक्षा और सुरक्षा सहयोग बढ़ाने तथा चीन से हथियारों की अधिक आपूर्ति जैसे मुद्दे शामिल हैं। चीन ने 300 मिलियन डॉलर से अधिक की सहायता और बांग्लादेश के विशेष आर्थिक क्षेत्रों में चीनी विनिर्माण इकाइयों को स्थानांतरित करने की योजनाओं का भी उल्लेख किया गया।

चेलानी ने बांग्लादेश की विदेश नीति में चीन पर अधिक निर्भरता की दिशा में जानबूझकर किए जा रहे बदलाव का संकेत बताया। हालांकि, उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि बांग्लादेश अभी भी जरूरी आपूर्ति, व्यापार मार्गों, बिजली, पानी और औद्योगिक इनपुट के लिए भारत पर काफी हद तक निर्भर है। इसके बाद रहमान नई दिल्ली के साथ संबंधों को पूरी तरह खत्म करने के बजाय उन्हें एक नए संतुलन के साथ आगे बढ़ाना चाहते हैं। उनके मुताबिक, रहमान अगले महीने नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से दूर रहकर घरेलू स्तर पर अपनी मजबूत छवि बनाना चाहते हैं। खासकर शेख हसीना के हाल में नई दिल्ली में मीडिया के सामने आने के बाद यह उनके लिए राजनीतिक रूप से अहम हो सकता है। फिर भी, रहमान ने भारत की पूर्ण राजकीय यात्रा करने की इच्छा जताकर यह संकेत भी दिया है कि वह नई दिल्ली के साथ संपर्क बनाए रखना चाहते हैं, लेकिन समान शर्तों पर।

मोदीनगर में जीडीए की बड़ी कार्रवाई, 21 हजार वर्ग मीटर में विकसित हो रहीं अवैध कॉलोनियां ध्वस्त

गाजियाबाद (शिखर समाचार) अवैध निर्माण और अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने शुक्रवार को मोदीनगर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए करीब 21 हजार वर्ग मीटर क्षेत्रफल में विकसित की जा रही दो अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान स्थानीय निर्माणकताओं और कॉलोनाइजरों ने विरोध किया, लेकिन प्राधिकरण पुलिस बल ने स्थिति नियंत्रित करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रखी। प्राधिकरण के अनुसार उपाध्यक्ष आईएएस नंदकिशोर कलाल के निर्देश पर प्रवर्तन जोन-2 के प्रभारी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। टीम ने ग्राम मऊ, मोदीनगर स्थित खसरा संख्या 117 में करीब पांच हजार वर्ग मीटर क्षेत्रफल में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी को ध्वस्त किया। इसके अलावा पिलर संख्या 1142 के रास्ते पर आनंद विहार, मोदीनगर में संजय सिंह द्वारा करीब 16 हजार वर्ग मीटर क्षेत्रफल में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। प्राधिकरण अधिकारियों के मुताबिक दोनों स्थानों पर निर्माण एवं कॉलोनी विकसित करने से संबंधित स्वीकृति के अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए गए थे। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-2 का स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा। अधिकारियों ने बताया कि अनधिकृत निर्माण और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। आगामी माह में भी चिन्हित स्थलों पर ध्वस्तीकरण और सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी।

व्यापारियों का धरना खत्म कराते हुए नगर आयुक्त ने 31 अगस्त तक बढ़ाई हाउस टैक्स छूट की अवधि

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। हाउस टैक्स में राहत और कर संबंधी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर धरना दे रहे व्यापारियों को नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बड़ी राहत दी है। व्यापारियों से वार्ता के बाद नगर निगम ने हाउस टैक्स पर मिलने वाली छूट की अवधि बढ़ाकर 31 अगस्त कर दी है। नगर आयुक्त स्वयं धरना स्थल पर पहुंचे और व्यापारियों को शासन की विभिन्न योजनाओं तथा करदाताओं को मिलने वाली सुविधाओं की विस्तार से जानकारी दी। इसके बाद व्यापारियों ने धरना समाप्त कर दिया। नगर आयुक्त ने व्यापारियों को बताया कि हाउस टैक्स जमा करने पर मिलने वाली छूट के अलावा एमएसएमई योजना, 120 वर्ग फीट तक के क्षेत्रफल वाली दुकानों को हाउस टैक्स में मिलने वाली राहत और ओटीएस (वन टाइम सेटलमेंट) सहित अन्य प्रावधानों का लाभ पात्र करदाता उठा सकते हैं। उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि वे शासन और नगर निगम की योजनाओं की सही जानकारी प्राप्त करें तथा किसी भी तरह की अफवाह या गलत सूचना से गुमराह न हों। व्यापारियों की मांग को देखते हुए हाउस टैक्स में छूट की

अवधि 31 अगस्त तक बढ़ाने की घोषणा की गई। नगर आयुक्त ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य करदाताओं को राहत देने के साथ उनकी समस्याओं का समयबद्ध तरीके से समाधान करना है। इसके लिए सभी जोनों में विशेष हेल्प डेस्क स्थापित की जाएंगी। हेल्प डेस्क की निगरानी के लिए पांच अधिकारियों को सुपर जोनल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव को कविनगर जोन, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अनुरुद्ध कुमार को सिटी जोन, उपमुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. अनुज को विजयनगर जोन, मुख्य नगर लेखा परीक्षक विवेक सिंह को मोहन नगर जोन तथा वरिष्ठ लेखा परीक्षक विमल कुमार को वसुंधरा जोन का सुपर जोनल अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी सुपर जोनल अधिकारी प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक संबंधित जोन में मौजूद रहकर करदाताओं की शिकायतों और समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करेंगे। इससे हाउस टैक्स से संबंधित मामलों में लोगों को नगर निगम कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिलने की उम्मीद है। व्यापारियों ने करदाताओं के हित में छूट की अवधि बढ़ाने, सभी जोनों में हेल्प डेस्क स्थापित करने और उनकी निगरानी के लिए सुपर जोनल अधिकारियों की तैनाती किए जाने पर शहर विधायक संजीव शर्मा और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक का आभार जताया। व्यापारियों ने शासन की योजनाओं के बारे में जानकारी देने और उनकी मांगों पर तत्काल कार्रवाई किए जाने के लिए भी निगम अधिकारियों का धन्यवाद किया।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस : लाखों बच्चों को खिलाई गई एल्बेंडाजोल की दवा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन गाज़ियाबाद के समस्त सरकारी एवं प्राइवेट स्कूल व आंगनवाड़ी केन्द्रों पर सफलतापूर्वक किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ डॉ.सचिन चन्द्र वैश्य-मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा दुर्गावती हेमराज टाह सरस्वती विद्या मन्दिर नेहरु नगर में बच्चों को एल्बेंडाजोल की टेबलेट खिला कर किया गया।

सरकारी इंसास राइफल से चली गोली, सिपाही की पत्नी की मौत

सहारनपुर (शिखर समाचार) थाना सदर बाजार क्षेत्र में पुलिस विभाग के वर्ष 2016 बैच के कांस्टेबल रिंकू की पत्नी सरिता की गोली लगने से मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में महिला की मौत गनशॉट इंजरी से होना प्रतीत हो रहा है। शुरूआती जानकारी के अनुसार गोली कांस्टेबल रिंकू की सरकारी इंसास राइफल से चली।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कांस्टेबल रिंकू को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर दिया है। वहीं, फोरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम ने मौके पर पहुंचकर वैज्ञानिक और भौतिक साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की बारीकी से जांच कर रही है।

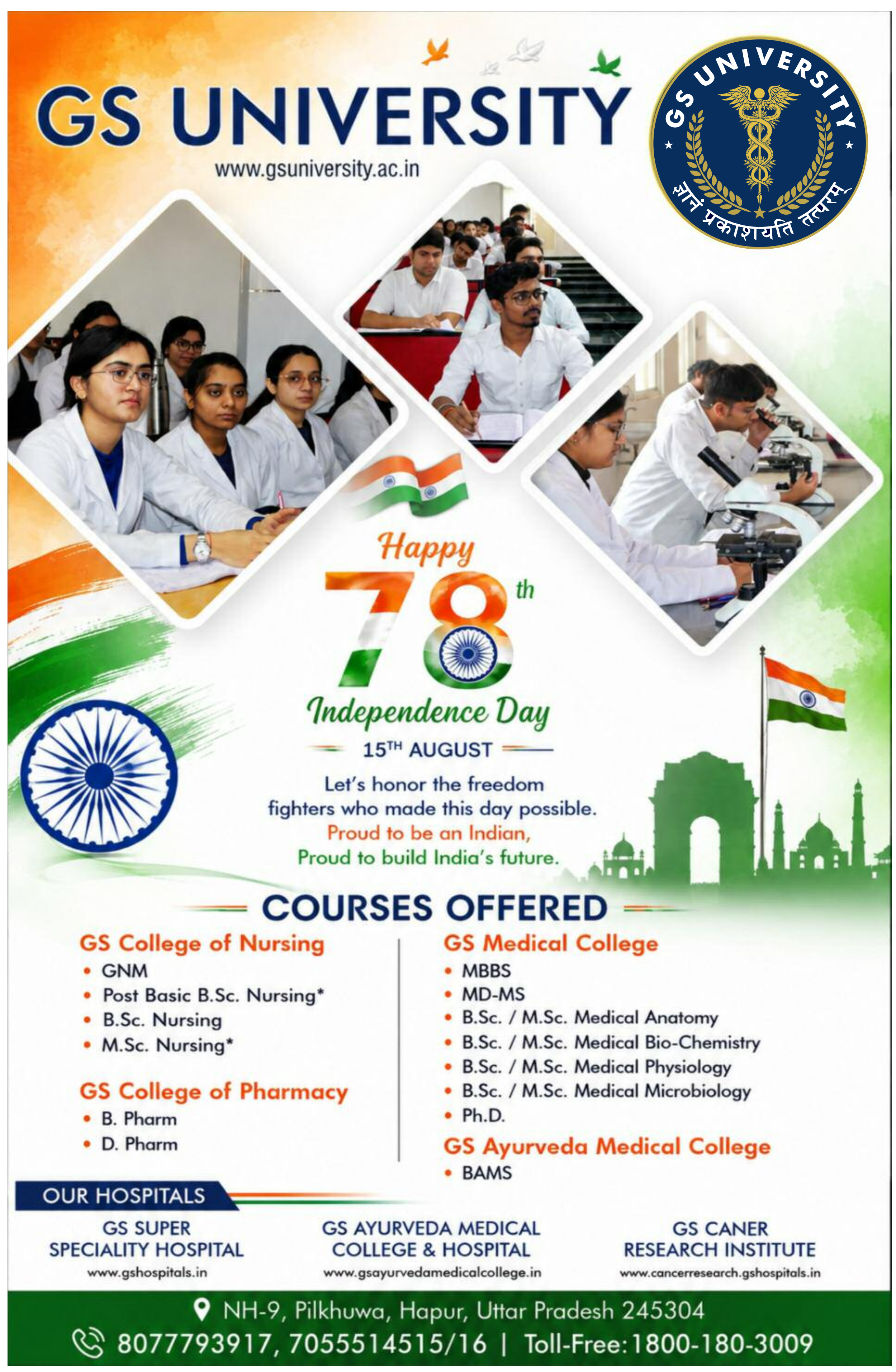

बसपा की सियासी नर्सरी से छिटक रहे कई ब्राह्मण नेता

लखनऊ, एजेंसी। 2007 के यूपी विधानसभा चुनाव में 80 ब्राह्मणों को टिकट देकर 41 को जिताने वाली बसपा अब बिखराव से जूझ रही है। वहीं, पार्टी की तैयारी फिर से ब्राह्मणों को साधने की है जिसका सारा दारोमदार अब सतीश मिश्रा पर है। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी का वजूद बचाने के लिए एक बार फिर ब्राह्मणों पर दांव लगाने की तैयारी में हैं। हालांकि, पार्टी के कई कद्दावर ब्राह्मण नेता लगातार उनका साथ छोड़ते गए हैं। अंटू मिश्रा का निष्कासन इसकी ताजा कड़ी है। बीते एक दशक में कई ऐसे नेता बसपा से दूर हुए, जिन्होंने अपनी राजनीति का ककहरा हाथी पर सवार होकर सीखा था। यह कहना गलत न होगा कि बसपा की सियासी नर्सरी कद्दावर ब्राह्मण नेताओं से खाली होती जा रही है।

वर्ष 2007 में बसपा ने 80 से अधिक ब्राह्मणों को टिकट देकर चुनावी मैदान में उतारा था। इनमें 41 जीतकर विधानसभा पहुंचे थे। पार्टी की यह सोशल इंजीनियरिंग इतनी सफल रही कि दूसरे दलों ने भी इसका अनुसरण किया। मगर वर्ष 2017 का विधानसभा चुनाव आते-आते ब्राह्मण नेताओं का पार्टी से मोहभंग शुरू हो गया। मौजूदा भाजपा सरकार के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक इसका प्रमुख उदाहरण हैं। बसपा ने उन्हें सांसद बनाया था लेकिन चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया। बाद में यह फैसला उनके राजनीतिक भविष्य के लिए मुफीद साबित हुआ। पूर्व मंत्री नकुल दुबे ने 2022 में बसपा छोड़कर कांग्रेस का रुख किया।

पूर्व मंत्री रामवीर उपाध्याय (अब दिवंगत), रंगनाथ मिश्रा तथा विनय शंकर तिवारी और उनका पूरा कुनबा भी बसपा से दूर हो गया। पूर्व विधान परिषद सभापति गणेश शंकर पांडेय समेत सरकार में उच्च पद पाने वाले कई अन्य ब्राह्मण नेता भी समय के साथ दूसरे दलों में चले गए। अंटू मिश्रा समेत कई प्रमुख ब्राह्मण नेताओं के अलग होने से बसपा की इस समुदाय को जोड़ने की मुहिम को झटका लगा है। अब इसकी पूरी जिम्मेदारी राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा के कंधों पर है। संगठन में वही प्रमुख ब्राह्मण चेहरा रह गए हैं। वह लंबे समय से ब्राह्मण सम्मेलनों की अगुवाई करते रहे हैं।

उनके बेटे कपिल मिश्रा और अन्य परिजन भी इन अभियानों में सहयोग करते रहे हैं। वर्ष 2007 से पहले सतीश चंद्र मिश्रा के कई परिजन भी बसपा में शामिल हुए थे। ब्राह्मणों का समर्थन हासिल करने के लिए बसपा ने बिकरू कांड की आरोपी खुशी दुबे का मुकदमा लड़ने की कवायद की थी।

भाजपा दफ्तर जाने पर मचा था हंगामा

अंटू मिश्रा दो वर्ष पूर्व अचानक भाजपा प्रदेश कार्यालय आए थे, जिसके बाद हड़कंप मच गया था। वह मार्च, 2024 में भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले बसपा के एक नेता के साथ पहुंचे थे, हालांकि उनको सदस्यता ग्रहण नहीं कराई गई थी। उस दौरान भाजपा नेताओं ने अंटू मिश्रा को दिल्ली में सदस्यता ग्रहण कराए जाने का बयान दिया था। हालांकि उन्हें भाजपा में शामिल करने का फैसला नहीं हो सका।

संक्षिप्त समाचार

रिहर्सल में दिखा 15 अगस्त वाला जोश

लखनऊ, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह से पहले बृहस्पतिवार को विधानभवन के सामने 15 अगस्त का जश्न साकार हो उठा। सुबह 8:15 बजे शुरू हुए रिहर्सल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के डमी काफिले के पहुंचने से लेकर ध्वजारोहण, सलामी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तक पूरे कार्यक्रम को हूबहू दोहराया गया। मुख्यमंत्री के डमी की भूमिका एसडीएम मलिहाबाद मनोज सिंह ने निभाई।

निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत उन्होंने ध्वजारोहण किया। इसके बाद सुरक्षा बलों ने तिरंगे को सलामी दी। तिरंगा लहराते ही स्कूली बच्चों के वंदे मातरम और देशभक्ति के गीतों से विधानभवन के सामने का माहौल देशभक्ति से सराबोर हो गया। विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिससे रिहर्सल का दृश्य वास्तविक समारोह जैसा नजर आया।

रिहर्सल के दौरान सुरक्षा, यातायात, प्रोटोकॉल और मंच से जुड़ी व्यवस्थाओं को बारीकी से परखा गया। जिलाधिकारी विशाख जी, पुलिस आयुक्त समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। सुरक्षा बलों ने भी मुख्य समारोह के दौरान निभाई जाने वाली जिम्मेदारियों का अभ्यास किया। रिहर्सल के चलते विधानसभा मार्ग और उससे जुड़े मार्गों पर सुबह कुछ देर के लिए जाम की स्थिति भी बनी रही।

33 घंटे पानी को तरसे 500 घर, पार्षद बैठे धरने पर- एक घंटे में बहाल हुई आपूर्ति

गोरखपुर, एजेंसी। विकास नगर वार्ड-60 के करीब 500 घरों के लोग 33 घंटे तक पानी के लिए परेशान रहे। मंगलवार सुबह से विस्तार नगर स्थित काली मंदिर के पीछे नलकूप की बिजली खराब होने के कारण जलापूर्ति ठप थी। दूसरे नलकूप से पानी की आपूर्ति का प्रयास हुआ लेकिन कम दबाव के कारण पानी टेल तक नहीं पहुंच सका।

शिकायत के बावजूद बुधवार शाम तक बिजली निगम की ओर से खराबी दूर नहीं की गई। इससे नाराज भाजपा पार्षद अजय कुमार ओझा बुधवार शाम सात बजे पावर हाउस के गेट पर धरने पर बैठ गए। स्थानीय लोगों के अनुसार मंगलवार सुबह करीब 11 बजे विकास नगर पावर हाउस के रजिस्टर में नलकूप की बिजली खराब होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके बाद भी बुधवार शाम तक समस्या दूर नहीं हुई। बुधवार को लोगों ने पार्षद के आवास पर पहुंचकर नाराजगी जताई। आरोप है कि वहां शिकायत लेकर पहुंचे व्यक्ति के साथ दुर्व्यवहार किया गया। इसके बाद पार्षद ने पावर हाउस के गेट पर धरना शुरू कर दिया।

पार्षद के धरने की जानकारी मिलते ही बिजली निगम के कर्मचारी बुधवार रात करीब आठ बजे नलकूप की जांच करने पहुंचे। जांच में ट्रांसफॉर्मर से मीटर तक आने वाला तार क्षतिग्रस्त मिला। कर्मचारियों ने खराबी ठीक कर नलकूप की बिजली बहाल की। इसके बाद जलापूर्ति शुरू हो सकी और लोगों ने राहत की सांस ली। अधिशासी अभियंता बक्शीपुर अतुल रघुवंशी ने बताया कि विकास नगर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बहाल है।

तीज उत्सव में बिखेरी सावन की छटा

लखनऊ, एजेंसी। आशियाना के सेक्टर-एम में बृहस्पतिवार को तीज उत्सव का आयोजन हुआ। कॉलोनी की महिलाओं ने मिलकर रंग रंगीली सावन की तीज समारोह किया। इस अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सावन की छटा बिखेरी। मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की पत्नी नम्रता पाठक रहीं। उन्होंने महिलाओं को तीज की बधाई दी।

पुलिस के 12 अफसर राष्ट्रपति के वीरता पदक व 81 अन्य पुलिस पदक से होंगे सम्मानित

लखनऊ, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यूपी पुलिस के 12 अफसरों को राष्ट्रपति के वीरता पदक से सम्मानित किया जाएगा। वहीं, 81 पुलिसकर्मियों को पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यूपी पुलिस के 12 अधिकारियों को राष्ट्रपति का वीरता पदक प्रदान किया जाएगा। वहीं, उत्कृष्ट और सराहनीय सेवा के लिए 81 अन्य पुलिसकर्मियों को भी राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। वहीं, फायर सर्विसेज के 16 कर्मियों को भी राष्ट्रपति के वीरता पदक से सम्मानित किया जाएगा।

विशेष टास्ट फोर्स (एसटीएफ) के शहीद निरीक्षक सुनील कुमार को मरणोपरांत वीरता पदक प्रदान किया जाएगा। उन्हें शामली में बदमाशों से मुठभेड़ के दौरान गोली लगी थी।

लखनऊ में सीएम योगी मौन होकर पैदल चले

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में सीएम योगी 14 अगस्त को विभाजन की याद में मौन पदयात्रा निकाली। वह हजरतगंज चौराहा स्थित सरदार पटेल प्रतिमा से लोकभवन तक करीब आधा किलोमीटर पैदल गए।

वहां पहुंचकर लोकभवन सभागार में विभाजन त्रासदी पर आधारित प्रदर्शनी और शॉर्ट फिल्म देखी। कलाकारों की लाइव पेंटिंग देखी। विभाजन के दौरान भारत आए परिवारों से मुलाकात की।

मौन पदयात्रा के जरिये विभाजन के दौरान जान गंवाने वाले और विस्थापन की पीड़ा झेलने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। पदयात्रा में मेयर सुषमा खर्कवाल, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। लोकभवन सभागार में विभाजन विभीषिका से प्रभावित विस्थापित परिवारों के लोगों ने अनुभव बताए।

14 अगस्त को मनाया जाता है विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

1947 में ब्रिटिश शासन से आजादी के बाद 14 अगस्त को भारत का विभाजन हुआ था। भारत से अलग एक देश पाकिस्तान बना था। उस दौरान पाकिस्तान के चिह्नित भू-भाग से गैर-मुस्लिमों को मार-काट मचाकर भगाया जाने लगा। बड़ी संख्या में लोगों को विस्थापन, हिंसा और अपने घर-परिवार से बिछड़ने की पीड़ा झेलनी पड़ी थी। इन्हीं घटनाओं की स्मृति में 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है।

पेड़ से टकराई निजी स्कूल की बस

भोजीपुरा (बरेली), एजेंसी। बरेली के भोजीपुरा में शुक्रवार को न्यू इंग्लैंड स्कूल की बस अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई। हादसा होते ही बस में चीख-पुकार मच गई। हादसे में 13 छात्र घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोग जुट गए। सूचना मिलते ही पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने घायल बच्चों को निजी मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। उपचार के बाद सात बच्चों की छुट्टी कर दी गई है। छह बच्चे मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं। बताया जा रहा है कि इन बच्चों को गंभीर चोटें आई हैं।

हादसे की जानकारी मिलते ही बच्चों के परिजन भी मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

स्कूल में पढ़ाई नहीं हुई तो पुलिस चौकी पहुंचा छात्र

- मैम फोन चलाती रहती हैं; पुलिस के सामने शिक्षिका ने धमकाया- मार-मार के दिमाग ठीक कर देंगे

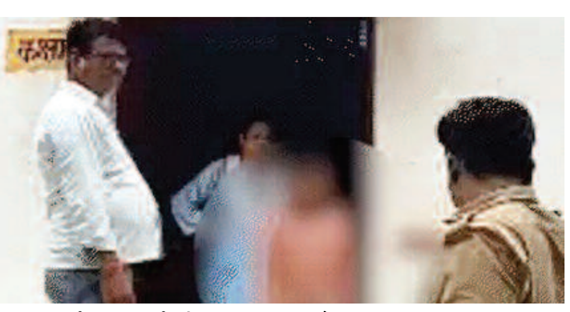

कानपुर देहात, एजेंसी। यूपी के कानपुर देहात में स्कूल में पढ़ाई न होने की शिकायत लेकर 12 साल का 7वीं कक्षा का छात्र पुलिस चौकी पहुंच गया। छात्र ने चौकी प्रभारी को शिकायत करते हुए बताया- स्कूल में टीचर्स पढ़ाती नहीं हैं। आपस में गप्पे लड़ाती रहती हैं और दिन भर फोन चलाती रहती हैं। स्कूल में कोई अनुशासन नहीं है। बड़े छात्र, छोटे छात्रों को पीटते हैं।

दिन भर छात्र ग्राउंड में खेलते रहते हैं। पढ़ाई का कोई माहौल नहीं है। हमारे भविष्य का क्या होगा? छात्र की शिकायत सुनकर पुलिसकर्मी अचंभित हो गए। चौकी प्रभारी फोर्स लेकर स्कूल पहुंचे तो पुलिस के सामने ही एक महिला टीचर शिकायतकर्ता छात्र को डांटते हुए बुरी तरह पीटने की धमकी देने लगी। मामला 10 फरवरी की सुबह करीब 11 बजे का है। घटना से जुड़ा वीडियो गुरुवार देर रात सामने आया है। शिकायतकर्ता बच्चा जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर राजपुर विकासखंड के रसधान पुलिस चौकी अंतर्गत सरकारी स्कूल सिविलियंस विद्यालय का छात्र है।

फिलहाल बीएएस के स्तर से स्कूल के प्रधानाध्यापक और आरोपी शिक्षिका को शोकॉज नोटिस जारी किया गया है। स्कूल ड्रेस में छात्र 10 अगस्त सोमवार सुबह करीब 11 बजे रसधान पुलिस चौकी पहुंचा। उसने पुलिसकर्मियों को बताया- वह राजपुर विकासखंड के रसधान स्थित सरकारी स्कूल सिविलियंस विद्यालय का सातवीं कक्षा का छात्र है। रसधान में ही रहता है। पिता खेती-बाड़ी करते हैं। छात्र ने अपनी समस्या बताते हुए कहा कि स्कूल में पढ़ाई नहीं होती।

डिलीवरी के बाद पत्नी-नवजात को चारपाई से नदी पार कराई

- लखनऊ समेत 15 शहरों में बारिश; उन्नाव में गंगा का पानी घरों में घुसा, लोग छतों पर सो रहे

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में मानसून फिर से सक्रिय हो गया है। शुक्रवार तड़के से ही लखनऊ, बाराबंकी, सीतापुर, बरेली और संभल समेत 15 शहरों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। बाकी जिलों में बादलों की आवाजाही जारी है। आज सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट है, जबकि 15 जिलों में भारी बारिश की संभावना है। बारिश की वजह से आगरा शहर से 50 किलोमीटर दूर पिनाहट गांव में बरसाती नदी उफान पर है। यहां एक शख्स ने प्रसव के बाद पत्नी और नवजात को चारपाई के सहारे नदी पार कराई। ग्रामीणों का कहना है कि नदी पर कोई पुल नहीं है। बारिश के दिनों को छोड़कर यह नदी पूरे साल सूखी रहती है, लेकिन बरसात के वक्त लोग जान जोखिम में डालकर इसे पार करते हैं। उधर, पहाड़ों पर हो रही बारिश से यूपी में गंगा, यमुना और शारदा समेत 10 नदियां चेतावनी बिंदु को पार कर गई हैं। 16 जिलों में 80 से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में हैं। सबसे ज्यादा फर्रुखाबाद के 49 गांवों में बाढ़ का असर है। उन्नाव में गंगा का पानी घरों में घुस गया है। लोग छतों पर रहने को मजबूर हैं। गलियों में नावें चल रही हैं। कानपुर के 5 से ज्यादा गांवों में पानी घुस गया है। बच्चे नाव से स्कूल जा रहे हैं। वाराणसी में घाटों की सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया है।

भाजपा के 20 हजार पर अखिलेश का 40 वाला दांव

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा प्रदेश की करीब 6 करोड़ वोटर महिलाओं को 20 हजार देने का बन रही है। चुनाव बाद 10-10 हजार की 2 और किस्तें भी मिलेंगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे जुमला बताते हुए कहा- हम 40 हजार देंगे। फिलहाल, सियासत तेज हो गई है।

'खराब खाना और अभद्र भाषा', कुक और शिक्षक पर कार्रवाई की मांग

कानपुर, एजेंसी। अनौगी स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में खराब भोजन, पेयजल संकट और प्रधानाचार्य द्वारा देशभक्ति के नारों पर रोक लगाने के विरोध में 10वीं से 12वीं तक के 95 छात्रों ने हॉस्टल में खुद को बंद कर भूख हड़ताल शुरू कर दी।

कन्नौज नवोदय हंगामा:

देर शाम डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री के आश्वासन और मैस में उनके साथ भोजन करने के बाद छात्रों ने हड़ताल समाप्त कर दी। कन्नौज जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय में अव्यवस्थाओं से नाराज 10वीं से 12वीं तक के 95 छात्रों ने गुरुवार को हॉस्टल में खुद को बंद कर लिया और भूख हड़ताल शुरू कर दी। छात्रों के भूख हड़ताल करने की जानकारी पर एसडीएम सदर, डीआईओएस, सीओ सिटी विद्यालय पहुंची और छात्रों को समझाने का प्रयास किया। प्रधानाचार्य को हटाने और अव्यवस्थाओं को दूर कराने के लिए डीएम से बात करने पर अड़े रहे। अनौगी स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा छह से लेकर 12वीं तक 550 छात्र अध्ययनरत हैं। छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग हॉस्टल बने हुए हैं।

कई छात्रों को भोजन नहीं मिला: उन्होंने आधे घंटे तक छात्रों से बात की, जिसके बाद छात्रों ने बताया कि भोजन में कच्चे चावल दिए जाते हैं। साथ ही बुधवार को भोजन कम पड़ गया था, जिस कारण कई छात्रों को भोजन नहीं मिला। इसके अलावा प्रधानाचार्य पर आरोप लगाया कि स्वतंत्रता दिवस की तैयारी के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम के नारे लगाने पर प्रधानाचार्य नाराज हो गए।

छात्रों की डीएम से मोबाइल से बात कराई: साथ ही, छात्रों ने भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता तथा तैयार करने की व्यवस्था बहुत ही खराब है।

शुद्ध पेयजल की समस्या है। खेल मैदान व सुविधाएं नहीं हैं। छात्रों ने प्रधानाचार्य पर अभद्र व्यवहार करने का भी आरोप लगाया है।

हॉस्टल बंद कर भूख हड़ताल शुरू कर दी

गुरुवार सुबह 10वीं से 12वीं तक के छात्रों नाश्ता लेने से इन्कार कर दिया और 95 छात्रों ने एकत्र होकर हॉस्टल बंद कर भूख हड़ताल शुरू कर दी। छात्रों के भूख हड़ताल करने की जानकारी प्रशासन तक पहुंची और डीआईओएस पप्पू सरोज, एसडीएम वैभव गुप्ता, सीओ सिटी शिल्पा वर्मा समेत नायब तहसीलदार नमन व राकेश कुशवाहा विद्यालय पहुंचे।

भारत माता की जय के नारे लगाने पर दो मिनट का रखवाया मौन

छात्रों ने आरोप लगाया कि स्वतंत्रता दिवस की तैयारी के लिए बुधवार को भारत माता की जय, वंदे मातरम के नारे लगाने वाले प्रधानाचार्य नाराज हो गए और नारे लगाने वाले छात्रों के लिए दो मिनट का मौन रखवाया। सुबह प्रार्थना से पहले अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं। छात्रों से कहते हैं कि नाली के कीड़े हो, नाली में ही रह जाओगे। मेस में खाने की बेहतर व्यवस्था नहीं है।

अधिकारियों के समझाने के बाद भी छात्रों ने प्रधानाचार्य को हटाने और अव्यवस्थाओं को दूर कराने और डीएम को बुलाने की मांग की। एसडीएम ने छात्रों की डीएम से मोबाइल से बात कराई और उन्होंने छात्रों को समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया और 16 अगस्त को विद्यालय आकर समस्याएं सुनने की बात कही।

मेस के हेड कुक और सामाजिक विषय के शिक्षक पर कार्रवाई की मांग: छात्रों ने प्रधानाचार्य को हटाने के साथ ही मेस के हेड कुक व सामाजिक विषय के शिक्षक पर भी कार्रवाई की मांग की है। छात्रों ने समस्याओं का समाधान जल्द कराए जाने की बात कही है।

एयरपोर्ट विस्थापित किसानों के आवंटित भूखंडों की रजिस्ट्री शुरू, पांच किसानों को मिला मालिकाना हक

जेवर (शिखर समाचार) नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लिए भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को बड़ी राहत मिली है। पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन योजना के तहत विस्थापित परिवारों को आवंटित भूखंडों की रजिस्ट्री की प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू कर दी गई। विधायक धीरेन्द्र सिंह की उपस्थिति में उप-पंजीयक कार्यालय में पहले चरण में पांच विस्थापित किसानों के भूखंडों की रजिस्ट्री कराई गई। रजिस्ट्री की प्रक्रिया शुरू होने से लंबे समय से मालिकाना हक का इंतजार कर रहे किसानों के चेहरे खिल उठे। पहले चरण में ग्राम नगला शरीफ खां निवासी उमर मोहम्मद, ग्राम दयानतपुर खेड़ा निवासी हंसराज और

ओमप्रकाश तथा ग्राम रोही निवासी जयवीर सिंह और प्रेमवती पत्नी प्रेम के आवंटित भूखंडों की रजिस्ट्री कराई गई। किसानों के अनुसार भूखंड आवंटित होने के बावजूद रजिस्ट्री नहीं होने के कारण उन्हें पूर्ण कानूनी मालिकाना अधिकार प्राप्त नहीं हो पा रहा था।

बताया गया कि वर्ष 2020-21 में विस्थापित परिवारों के लिए कुल 3,065 भूखंडों के आवंटन पत्र जारी किए गए थे। किसान वर्ष 2022 से इन भूखंडों की रजिस्ट्री कराकर विधिवत मालिकाना हक देने की मांग कर रहे थे। मामला लंबे समय से लंबित था। शुक्रवार को पांच किसानों की रजिस्ट्री के साथ इस प्रक्रिया की शुरूआत हुई। विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि शेष प्रभावित और पात्र किसानों के भूखंडों की रजिस्ट्री भी जल्द कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों ने नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लिए अपनी पुश्तैनी जमीन देकर उत्तर प्रदेश और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सरकार और प्रशासन का प्रयास है कि प्रभावित परिवारों को पुनर्वास योजना का पूरा लाभ समयबद्ध तरीके से मिले।

तिरंगा यात्रा से गूंजा कौशांबी, साहिबाबाद में हाई अलर्ट सुरक्षा जांच

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर गाजियाबाद पुलिस ने देशभक्ति और सुरक्षा का संदेश एक साथ दिया। कौशांबी थाना क्षेत्र में सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य की अगुवाई में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई, वहीं साहिबाबाद क्षेत्र में बीडीडीएस, एएस चेक टीम और डॉग स्क्वाड के साथ मॉल, ढाबों और सार्वजनिक स्थलों पर सघन चेकिंग अभियान सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद अमित सक्सेना के नेतृत्व में चलाया गया। दोनों अभियानों के दौरान पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने के साथ लोगों से राष्ट्रध्वज के सम्मान और राष्ट्रीय एकता का संदेश भी दिया। कौशांबी में निकाली गई तिरंगा यात्रा थाना कौशांबी से शुरू होकर क्षेत्र के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य के नेतृत्व में निकली यात्रा में पुलिसकर्मियों के साथ स्थानीय नागरिक, गणमान्य व्यक्ति और डिजिटल वॉलिंटियर्स फोर्स के सदस्य शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर निकले लोगों ने देशभक्ति का

संदेश दिया। यात्रा के दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से माहौल देशभक्ति से ओतप्रोत नजर आया। तिरंगा यात्रा का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रीय एकता, अखंडता और राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करना है। यात्रा के दौरान पुलिस टीम ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को भी सुचारु बनाए रखा, जिससे आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।वहीं स्वतंत्रता दिवस को लेकर साहिबाबाद थाना क्षेत्र में भी सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह चाक-चौबंद रखा गया। सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद अमित सक्सेना ने पुलिस टीम के

साथ विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान बीडीडीएस टीम, एएस चेक टीम, डॉग स्क्वाड और थाना साहिबाबाद पुलिस मौजूद रही। टीमों ने मॉल, ढाबों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर संदिग्ध व्यक्तियों और वस्तुओं की गहनता से जांच की।

चेकिंग के दौरान पुलिस ने प्रतिष्ठानों के अंदर और आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। संदिग्ध गतिविधि या वस्तु मिलने पर तत्काल सूचना देने के निर्देश दिए गए। एसीपी ने प्रतिष्ठान संचालकों और पुलिसकर्मियों को सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

शामली में हर घर तिरंगा अभियान ने पकड़ी रफ्तार, अब तक 21,150 तिरंगे वितरित

शामली (शिखर समाचार) स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद शामली की ओर से चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान ने तेजी पकड़ ली है। अभियान के तहत शुक्रवार को नागरिकों को 10,650 तिरंगे वितरित किए गए। इसके साथ ही 12 अगस्त से शुरू हुए वितरण अभियान में अब तक कुल 21,150 तिरंगे नागरिकों और विभिन्न संस्थाओं को उपलब्ध कराए जा चुके हैं। नगर पालिका ने इस वर्ष शामली नगर में 23 हजार तिरंगे वितरित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

नगर पालिका परिषद के चेयरमैन अरविंद संगल ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस देश के लिए गौरव और उत्सव का अवसर है। हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य नागरिकों में देशभक्ति की भावना को मजबूत करना और अधिक से अधिक लोगों को राष्ट्रीय पर्व से जोड़ना है। उन्होंने नागरिकों से अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज को सम्मानपूर्वक फहराने की अपील की।

नगर पालिका के अनुसार वितरण अभियान के पहले दिन चार हजार और दूसरे दिन 6,500 तिरंगे वितरित किए गए थे। शुक्रवार को 10,650 तिरंगे वितरित होने के बाद यह संख्या 21,150 पहुंच गई। नगर की विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक और व्यापारिक संस्थाओं को भी तिरंगे उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि उनके सदस्य अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहरा सकें। अभियान को लेकर नागरिकों में भी उत्साह दिखाई दे रहा है। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी विनोद कुमार सोलंकी सहित नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारी और अन्य लोग मौजूद रहे।

हरियाली तीज महोत्सव में महिलाओं ने लिया झूले और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद

मोदीनगर (शिखर समाचार) भाजपा विधायक डॉ. मंजू सिवाच की ओर से शुक्रवार को हापुड़ रोड स्थित एवीएस गार्डन में हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिलाओं ने नृत्य और गायन की प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में रंग भर दिया। इस दौरान तंबोला खेल का आयोजन भी किया गया, जिसमें महिलाओं ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। परिसर में लगाए गए झूले भी आकर्षण का केंद्र रहे और महिलाओं ने झूला झूलकर पर्व का आनंद लिया।

कार्यक्रम में विधायक डॉ. मंजू सिवाच ने महिलाओं को हरियाली तीज की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देवी पार्वती के अटूट समर्पण और प्रेम के कारण हिंदू महिलाएं हरियाली तीज को पति के प्रति प्रेम, समर्पण और आस्था के प्रतीक के रूप में मनाती हैं। उन्होंने कहा कि तीज का पर्व भारतीय संस्कृति और पारंपरिक मूल्यों से जुड़ा महत्वपूर्ण त्योहार है। इसे तीज माता के नाम से भी जाना जाता है। इस अवसर पर भोजपुर ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह और नगर पंचायत पतला की अध्यक्ष रीता चौधरी ने भी महिलाओं को हरियाली तीज की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से महिलाओं को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम में महिलाओं ने आपसी मेलजोल के साथ पर्व का उत्साह साझा किया।

आरके पीजी कॉलेज में गूंजे देशभक्ति के नारे, निकली भव्य तिरंगा रैली

शामली (शिखर समाचार) आरके पीजी कॉलेज शामली में शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाइयों के तत्वावधान में हर घर तिरंगा अभियान के तहत भव्य तिरंगा रैली निकाली गई। रैली में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों और शिक्षकों ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान देशभक्ति के नारों से वातावरण गूंज उठा। रैली का उद्देश्य विद्यार्थियों और आमजन में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता, अखंडता तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करना रहा।

महाविद्यालय परिसर से शुरू हुई रैली के दौरान स्वयंसेवकों ने लोगों को अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया। रैली में स्वतंत्रता संग्राम के वीरों और शहीदों के बलिदान को याद करते हुए देश की एकता और अखंडता बनाए रखने का संदेश दिया गया। स्वयंसेवकों ने नागरिकों से राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने की अपील भी की। मार्ग में स्थानीय नागरिकों ने रैली का स्वागत करते हुए हर घर तिरंगा अभियान के प्रति अपना समर्थन जताया।

महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल राष्ट्रीय ध्वज फहराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के प्रति गौरव, सम्मान और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने रैली में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता की सराहना की। रैली के सफल आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारियों, शिक्षकों और स्वयंसेवकों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र की एकता, अखंडता और सम्मान की रक्षा करने के संकल्प के साथ हुआ।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बिजनौर (जनपद बिजनौर)
पत्रांकः मीमो / न0पा0परि0बि0/ 2026 - 27
दिनांकः 14.08.2026
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद बिजनौर द्वारा एकमुश्त समाधान योजना (ओ.टी.एस.) दिनांक 15 अगस्त, 2026 से 15 दिसम्बर, 2026 तक लागू किया जा रहा है, जिसमें सम्पत्ति कर (गृहकर / जलकर / सीवरकर) की समस्त बकाया धनराशि एकमुश्त पूर्ण भुगतान किये जाने पर ब्याज पर शत–प्रतिशत छूट प्रदान की जा रही हैं। एकमुश्त समाधान योजना (ओ.टी.एस.) हेतु आवेदन किए जाने की अवधि दिनांक 15.08.2026 से 14.11.2026 तक होगी तथा आवेदन ऑनलाइन / ऑफलाइन दोनो माध्यमों से कार्यालय नगर पालिका परिषद बिजनौर में किया जा सकेगा।
अतः समस्त सम्मानित करदाताओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 15 दिसम्बर, 2026 तक अपने भवन / भूमि / प्रतिष्ठान का सम्पत्तिकर के बकाया धनराशि का शत–प्रतिशत भुगतान करते हुये ब्याज में छूट का लाभ उठायें।
(रामपाल)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद् बिजनौर
(इन्दिरा सिंह)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद् बिजनौर

कार्यालय नगर पालिका परिषद खतौली, मुजफ्फरनगर
नगर पालिका परिषद खतौली के सभी सम्मानित नागरिकों से स्वतन्त्रता दिवस की शुभकामनाओं के साथ अपील
1. नगर पालिका परिषद् खतौली, नगर को स्वच्छ रखने के लिए पूर्ण रूप से प्रयत्नशील है, कृपया सहयोग करें।
2. स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 में नगर पालिका परिषद् खतौली को नं0 01 बनाने हेतु शहर को स्वच्छ व सुन्दर बनाने में सहयोग करें।
3. जल अमूल्य है, इसे व्यर्थ न बहायें।
4. नगर पालिका के सभी करों का भुगतान समय से करें।
5. जन्म–मृत्यु का पंजीकरण समय से कराये।
6. सिंगल यूज प्लास्टिक शासन द्वारा प्रतिबन्धित कर दी गई है। सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है इनका उपयोग कदापि न करें।
7. कूड़ा इधर–उधर न फेकें । गीले कूडे के लिए हरे डस्टबीन तथा सूखे के लिए नीले डस्टबीन का उपयोग करे।
(राजीव कुमार)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद् खतौली
(समस्त सभासदगण)
नगर पालिका परिषद् खतौली
(शाहनवाज अली)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद् खतौली

संपादकीय

जनगणना के सवालों में छिपा भारत के भविष्य का आईना

भारत की जनगणना अब केवल आबादी गिनने की पारंपरिक सरकारी प्रक्रिया नहीं रह गई है। 2027 की जनगणना देश के सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय भविष्य की दिशा तय करने वाला ऐसा महत्वपूर्ण दस्तावेज बनने जा रही है, जिसके आंकड़ों का असर आने वाले वर्षों की नीतियों और योजनाओं पर पड़ेगा। 14 अगस्त 2026 को जनगणना से जुड़े परिवार अनुसूची के प्रश्नों को लेकर सामने आई नई जानकारी ने इस पूरी प्रक्रिया को एक बार फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है। गृह मंत्रालय की ओर से जारी दिशा-निदेशों के अनुसार जनगणना अधिकारियों द्वारा परिवारों से निर्धारित प्रश्नों के माध्यम से जानकारी जुटाई जाएगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बार जाति संबंधी जानकारी भी जनगणना के व्यापक दायरे में शामिल है। सरकार की ओर से 2027 की जनगणना को आधुनिक तकनीक और स्व-गणना जैसी व्यवस्थाओं से जोड़ने की दिशा में भी काम आगे बढ़ाया जा रहा है। गृह मंत्रालय की 2026 की आधिकारिक सूचनाओं में जनगणना के प्रथम चरण के तहत तमिलनाडु और त्रिपुरा में स्व-गणना शुरू होने की जानकारी भी दी गई है। जनगणना का महत्व इसलिए समझना होगा क्योंकि किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के लिए सही आंकड़े नीति निर्माण की पहली शर्त होते हैं। यदि सरकार को यह पता ही न हो कि किस इलाके में कितने परिवार हैं, कितने लोगों के पास अपना मकान है, कितने परिवार किराये पर रहते हैं, कितने घरों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है और देश की सामाजिक संरचना किस प्रकार बदल रही है, तो विकास की योजनाएं अनुमान के आधार पर चलती रहेंगी। जनगणना इस अनुमान को तथ्य में बदलती है। इसलिए नागरिकों से पूछे जाने वाले सवालों की संख्या से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि उनसे मिलने वाली जानकारी कितनी सटीक, विश्वसनीय और सुरक्षित होगी। इस बार जनगणना का एक बड़ा आकर्षण और राजनीतिक-सामाजिक दृष्टि से सबसे संवेदनशील पहलू जाति आधारित आंकड़े हैं। लंबे समय से देश में यह बहस चलती रही है कि सामाजिक न्याय की योजनाओं और आरक्षण की नीतियों को वर्तमान सामाजिक वास्तविकताओं के अनुरूप बनाने के लिए अद्यतन जातीय आंकड़े आवश्यक हैं या नहीं। अब जब जाति संबंधी जानकारी को जनगणना में शामिल किया जा रहा है, तो उम्मीद की जानी चाहिए कि इससे बहस भावनात्मक दावों के बजाय ठोस आंकड़ों पर आधारित होगी। लेकिन इसके साथ खतरा भी है। यदि आंकड़ों का इस्तेमाल केवल चुनावी गणित के लिए किया गया तो जनगणना का मूल उद्देश्य कमजोर हो जाएगा। जाति की गणना का उद्देश्य समाज को और अधिक खांचों में बांटना नहीं, बल्कि यह समझना होना चाहिए कि किन समुदायों की शिक्षा, रोजगार, आय और सामाजिक अवसरों तक पहुंच कमजोर है और उनके लिए किस प्रकार की नीतियां आवश्यक हैं। जनगणना से जुड़ी सबसे बड़ी चिंता नागरिकों की निजता की है। आज का भारत डिजिटल भारत है। बैंकिंग, मोबाइल, पहचान, संपत्ति, रोजगार और सरकारी योजनाओं से संबंधित अनेक सूचनाएं पहले से ही अलग-अलग डिजिटल प्रणालियों में मौजूद हैं। ऐसे में जब घर-परिवार से जुड़ी विस्तृत जानकारी एक बड़े राष्ट्रीय आंकड़ा तंत्र का हिस्सा बनेगी, तब उसकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। नागरिक का यह अधिकार है कि वह जाने कि उससे जानकारी क्यों मांगी जा रही है, उसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से होगा और उसे अनधिकृत व्यक्ति तक पहुंचने से रोकने के लिए क्या सुरक्षा व्यवस्था है।

~ मौलिक चिंतन ~

खुद से खुद को भला-बुरा कहने, शिकवा-शिकायत करने में किसी के बुरा मानने का खतरा नहीं होता है। खुद रूठना, खुद को मनाना... बस और क्या!

©
विनय संकोची

स्वतंत्रता दिवस पर संदेश - आजादी का संकल्प : भारत के लिए कुछ करें

श्रमण डॉ पुष्पेंद्र

स्वतंत्रता दिवस केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि यह उस संकल्प को याद करने का दिन है, जिसके लिए असंख्य वीरों ने अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिया। आज जब हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं, तो हमारे सामने यह प्रश्न भी होना चाहिए कि इस स्वतंत्रता को हम कितनी जिम्मेदारी, जागरूकता और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ा रहे हैं।

आज का भारत युवा भारत है। देश की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा पीढ़ी है। युवाओं के पास ऊर्जा है, प्रतिभा है, नई सोच है और तकनीक का ज्ञान है। यदि यही ऊर्जा सही दिशा में लग जाए तो भारत को दुनिया की अग्रिम पंक्ति में ले जाने की क्षमता रखती है। लेकिन इसके लिए युवा पीढ़ी को केवल अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ-साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी सजग होना होगा।

वर्तमान समय में युवाओं के सामने अनेक चुनौतियाँ हैं–सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रभाव, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, मानसिक तनाव, दिखावे की संस्कृति, समय की बबार्दी और सफलता को केवल धन तथा प्रतिष्ठा से जोड़कर देखने की सोच। इन चुनौतियों के बीच युवाओं को विवेक से निर्णय लेना होगा। तकनीक का उपयोग ज्ञान और विकास के लिए हो, जीवन को भटकाने के लिए नहीं। प्रतिस्पर्धा हो, लेकिन संस्कारों की कीमत पर नहीं; सफलता मिले, लेकिन मानवीय संवेदनाएँ पीछे न छूटें।

राष्ट्र निर्माण केवल सीमा पर खड़े सैनिकों का दायित्व नहीं है। एक विद्यार्थी ईमानदारी से पढ़कर, एक युवा अपने कार्य में निष्ठा रखकर, एक व्यवसायी ईमानदारी से व्यापार करके, एक नागरिक कानून और अनुशासन का पालन करके तथा प्रत्येक व्यक्ति समाज के प्रति संवेदनशील बनकर राष्ट्रसेवा कर सकता है।

युवा यदि अपने आसपास की समस्याओं को समझे और उनके समाधान में छोटी-सी भूमिका भी निभाए, तो परिवर्तन निश्चित है। किसी जरूरतमंद विद्यार्थी की पढ़ाई में सहयोग करना, पर्यावरण की रक्षा करना, जल बचाना, स्वच्छता का ध्यान रखना, नशे से दूर रहना, बुजुर्गों का सम्मान करना, जीवों के प्रति करुणा रखना और समाज में प्रेम व सद्भाव बढ़ाना–ये सभी राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारियाँ हैं।

भारत की वास्तविक शक्ति केवल उसकी अर्थव्यवस्था, तकनीक या सैन्य सामर्थ्य में नहीं, बल्कि उसके चरित्र, संस्कार, अहिंसा, करुणा और मानवीय मूल्यों में भी है। हमें ऐसा भारत बनाना है जो आधुनिकता में आगे हो, लेकिन अपनी संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जुड़ा रहे।

इस स्वतंत्रता दिवस पर मेरी युवा पीढ़ी से विशेष अपेक्षा है कि वह अपने जीवन का लक्ष्य केवल 'मैं कितना आगे बढ़ूँ?' तक सीमित न रखे, बल्कि यह भी सोचे–'मेरी प्रगति से मेरा समाज और मेरा देश कितना आगे बढ़े?'

देश को बदलने के लिए किसी बड़े अवसर की प्रतीक्षा मत कीजिए। परिवर्तन की शुरूआत अपने घर, अपने व्यवहार और अपने विचारों से कीजिए। अपने समय का सदुपयोग कीजिए, अपने चरित्र को मजबूत बनाइए और अपनी प्रतिभा को राष्ट्रहित में लगाइए। देश ने हमें बहुत कुछ दिया है; अब हमारी बारी है कि हम भी भारत को कुछ दें।

आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम संकल्प लें कि हम अपने ज्ञान, श्रम, प्रतिभा, समय और ऊर्जा का एक हिस्सा राष्ट्र के नाम समर्पित करेंगे। हम ऐसा भारत बनाने में योगदान देंगे जहाँ विकास के साथ संस्कार हों, शक्ति के साथ शांति हो, स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी हो और प्रगति के साथ मानवता हो।

याद रखिए–देश का भविष्य संसदों और संस्थानों में ही नहीं, युवाओं के विचारों, चरित्र और कर्मों में भी लिखा जाता है।

युवा जागेगा, तो भारत आगे बढ़ेगा।

युवा बदलेगा, तो भारत बदलेगा।

और जब युवा राष्ट्र के लिए कुछ करने का संकल्प लेगा, तब भारत विश्व में नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा।

धमकी से नहीं चलेगा पानी का रिश्ता, पाकिस्तान को आतंकवाद का हिसाब देना होगा

कांतिलाल मांडोत

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक बार फिर भारत को सिंधु जल समझौते के मुद्दे पर धमकी देने की कोशिश की है। उनका कहना है कि पाकिस्तान के हिस्से के पानी में कोई कमी करने या उसे रोकने की कोशिश हुई तो पाकिस्तान इसका मुंहतोड़ जवाब देगा। साथ ही उन्होंने कश्मीर पर पाकिस्तान के पुराने रुख को दोहराते हुए कहा कि इस मुद्दे पर उनका देश कभी पीछे नहीं हटेगा। अपने भाषण में उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की प्रशंसा करते हुए यह दावा भी किया कि उनके नेतृत्व में पाकिस्तान ने भारत को पराजित किया। शहबाज शरीफ के इन बयानों से साफ है कि पाकिस्तान आज भी वास्तविकता को स्वीकार करने के बजाय धमकी, दुष्प्रचार और भावनात्मक नारों का सहारा लेकर अपनी जनता को भ्रमित करना चाहता है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को आज अचानक सिंधु नदी का पानी इतना याद क्यों आ रहा है? क्या वे यह भूल गए हैं कि भारत ने दशकों तक एक अंतरराष्ट्रीय समझौते का सम्मान करते हुए पाकिस्तान को उसके हिस्से का पानी दिया? क्या वे यह भूल गए हैं कि भारत ने हमेशा यह माना कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध केवल सीमा और सुरक्षा से नहीं, बल्कि मानवता, सहयोग और आपसी विश्वास से भी चलते हैं? लेकिन पाकिस्तान ने बार-बार उस विश्वास को चोट पहुंचाई है। जब पाकिस्तान की धरती से प्रशिक्षित आतंकवादी भारत में निर्दोष नागरिकों का खून बहाते हैं और उसके बाद पाकिस्तान पानी के सवाल पर भारत को धमकी देता है, तो यह उसकी दोहरी नीति का सबसे बड़ा उदाहरण बन जाता है।

पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाकर की गई आतंकवादी घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। नाम पूछकर लोगों की हत्या करने जैसी अमानवीय घटना का दर्द केवल उन परिवारों का दर्द नहीं है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया। यह पूरे भारत की पीड़ा है। किसी व्यक्ति की मौत गोली से हो, आतंकवादी हमले में हो या किसी अन्य कारण से, उसके परिवार के लिए उसका दुख समान होता है। ऐसे में पाकिस्तान यदि आतंकवादियों को संरक्षण देने के आरोपों से स्वयं को अलग नहीं करता और दूसरी तरफ भारत से पानी की मांग भी धमकी के स्वर में करता है, तो उसके रवैये पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सिंधु जल समझौता भारत की उदारता और दूरदर्शिता का भी प्रतीक रहा है। वर्ष 1960 में हुए इस समझौते के तहत सिंधु नदी प्रणाली की छह प्रमुख नदियों के पानी का बंटवारा निर्धारित किया गया। पूर्वी नदियों रावी, ब्यास और सतलुज के पानी के उपयोग का अधिकार भारत को मिला, जबकि पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब के पानी का बड़ा हिस्सा पाकिस्तान के लिए निर्धारित किया गया। इतने वर्षों तक भारत ने इस समझौते का सम्मान किया। लेकिन परिस्थितियां हमेशा एक जैसी नहीं रहतीं। जब कोई देश लगातार सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप झेलता है और भारत की सुरक्षा तथा नागरिकों को निशाना बनाने वाली गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं करता, तो भारत के सामने अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा की समीक्षा करना स्वाभाविक है।

पाकिस्तान को यह समझना होगा कि पानी कोई धमकी देकर हासिल करने वाली वस्तु नहीं है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में समझौते तभी मजबूत रहते हैं, जब उनके पीछे आपसी विश्वास और जिम्मेदारी की भावना हो। पाकिस्तान यदि भारत से अच्छे संबंध चाहता है तो उसे सबसे पहले आतंकवाद के मुद्दे पर गंभीरता दिखानी होगी। भारत के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा देने वालों पर कार्रवाई करनी होगी और यह भरोसा पैदा करना होगा कि पाकिस्तान की जमीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों के लिए नहीं होने दिया जाएगा। केवल भाषण देने और भारत को धमकाने से दोनों देशों के बीच विश्वास पैदा नहीं हो सकता।

कश्मीर को लेकर भी पाकिस्तान को वास्तविकता समझने की जरूरत है। कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और भारत अपनी संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूरी तरह सक्षम है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री जितनी बार चाहें कश्मीर पर पुराने बयान दोहरा सकते हैं, लेकिन इससे जमीन पर वास्तविकता नहीं बदलेगी। कश्मीर के नाम पर दशकों तक आतंकवाद को बढ़ावा देने की नीति ने पाकिस्तान को क्या दिया, यह पाकिस्तान की आर्थिक और सामाजिक स्थिति देखकर समझा जा सकता है। यदि कश्मीर वास्तव में पाकिस्तान की चिंता का विषय है तो उसे आतंकवाद और हिंसा का रास्ता छोड़कर शांतिपूर्ण संबंधों की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

शहबाज शरीफ ने अपने भाषण में चीन-पाकिस्तान दोस्ती को हिमालय से भी ऊंचा बताया। पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति भावनाओं पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों पर चलती है। चीन और पाकिस्तान के बीच भले ही रणनीतिक और आर्थिक संबंध हों, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि चीन भारत के साथ अपने व्यापक हितों को छोड़कर पाकिस्तान की हर नीति का समर्थन करेगा। चीन एक बड़ी आर्थिक शक्ति है और भारत भी विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ रहा है। दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और आर्थिक संबंधों का महत्व पाकिस्तान से कहीं अधिक व्यापक है। इसलिए केवल चीन का नाम लेकर भारत को धमकाने की कोशिश पाकिस्तान की कमजोर रणनीति को ही उजागर करती है। पाकिस्तान को यह भी समझना चाहिए कि किसी देश की शक्ति केवल हथियारों से तय नहीं होती। आर्थिक क्षमता, तकनीकी सामर्थ्य, राजनीतिक स्थिरता, कूटनीतिक प्रभाव, मजबूत संस्थाएं और जनता का विश्वास किसी राष्ट्र की वास्तविक ताकत बनते हैं। भारत इन सभी क्षेत्रों में लगातार अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। इसके विपरीत पाकिस्तान लंबे समय से आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता, आतंकवाद, महंगाई और जल संकट जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। ऐसे समय में भारत को धमकी देने के बजाय पाकिस्तान को अपनी ऊर्जा अपने देश की समस्याओं के समाधान में लगानी चाहिए।

पाकिस्तान में जल संकट गहराता जा रहा है तो उसका समाधान भारत को धमकी देना नहीं है। पाकिस्तान को अपनी सिंचाई व्यवस्था में सुधार करना होगा, पानी की बबार्दी रोकनी होगी, जल संरक्षण बढ़ाना होगा और अपने राज्यों के बीच पानी के बेहतर प्रबंधन की व्यवस्था करनी होगी। सिंध और बलूचिस्तान जैसे क्षेत्रों में पानी की कमी की शिकायतें केवल भारत के कारण नहीं समझी जा सकतीं। पाकिस्तान की आंतरिक जल प्रबंधन व्यवस्था, बढ़ती आबादी, कृषि पर दबाव और जलवायु परिवर्तन भी इसके महत्वपूर्ण कारण हैं। अपनी नाकामी का दोष भारत पर डाल देना आसान है, लेकिन इससे पाकिस्तान की समस्या हल नहीं होगी। भारत के लिए भी यह समय भावनाओं में बहने के बजाय दृढ़ और संतुलित नीति अपनाने का है। भारत को अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करनी चाहिए और आतंकवाद के खिलाफ अपनी नीति में किसी प्रकार की कमजोरी नहीं दिखानी चाहिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का पक्ष तथ्यों, कानून और जिम्मेदार राष्ट्र की छवि के साथ मजबूती से रखा जाए। भारत ने दुनिया को कई बार दिखाया है कि वह शांति चाहता है, लेकिन शांति को कमजोरी नहीं समझता।

शहबाज शरीफ को यह याद रखना चाहिए कि धमकियों से रिश्ते नहीं सुधरते। यदि पाकिस्तान सचमुच भारत के साथ अच्छे संबंध चाहता है तो उसे पहले आतंकवाद की नीति छोड़नी होगी। भारत के नागरिकों के जीवन और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करके पाकिस्तान एक ओर आतंकवाद को बढ़ावा दे और दूसरी ओर पानी के अधिकार की दुहाई दे, यह दोहरा रवैया स्वीकार नहीं किया जा सकता।

आत्मनिर्भरता से विकसित भारत की ओर आजादी की उड़ान

तिरंगा

सुमन लता श्रीवास्तव

तप्त वेग भारत की बनकर,
चहुँ दिशि दिया जलाऊँगी,
लेकर हाथों में तिरंगा
दिग - दिगन्त में
लहराऊँगी,

तोड़ दुश्मनों की हड्डी मैं
उनको धूल चटाऊँगी,
कर गर्जना
सिंहंनी (शेरनी) बनकर,
उनके रुधिर बिखराऊँगी,

ले त्रिशूल डूबोकर उसमें
अपनी माँग सजाऊँगी,
खड्ग- भाल से तोड़कर
उनको
ऑपरेशन काश्मीर
मनाऊँगी,

लिए तिरंगा हाथ में अपने
देश का (भारत वर्ष) गौरव
- बढ़ाऊँगी, । "इति"

15 अगस्त भारत के राष्ट्रीय जीवन का वह गौरवपूर्ण दिन है, जब हमारी धरती ने पराधीनता की लंबी रात के बाद स्वतंत्रता का सूर्य देखा था। 2026 में हम स्वतंत्रता का 80वां दिवस मना रहे हैं। यह केवल अतीत के गौरव को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि यह आत्ममंथन करने का भी समय है कि जिन सपनों के लिए असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया था, उन सपनों को हमने कितना साकार किया और अब 2047 में स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को कैसा बनाना है। 1947 ने हमें राजनीतिक स्वतंत्रता दी थी, लेकिन 2047 का लक्ष्य हमें आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, सामरिक और नैतिक रूप से आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत बनाने का है।

स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं है। स्वतंत्रता तब सार्थक होगी, जब प्रत्येक नागरिक भय, अभाव, अशिक्षा, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की असमानता से मुक्त हो। जब व्यक्ति अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझे, जब लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सरकार बनाने की प्रक्रिया न रहकर जनकल्याण का माध्यम बने, जब राजनीति में सेवा, सार्वजनिक जीवन में शुचिता और समाज में संवेदना प्रतिष्ठित हो। आजादी की पहली पीढ़ी ने देश को गुलामी से मुक्त किया था; आज की पीढ़ी को देश को निर्भरता, पिछड़ेपन और आत्महीनता से मुक्त करना है। पिछले वर्षों में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन दिखाई देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से बार-बार देश को आत्मनिर्भरता, नवाचार और युवाशक्ति का मंत्र दिया है। 2025 के स्वतंत्रता दिवस संबोधन में उन्होंने विशेष रूप से युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, प्रतिभाशाली युवाओं और शोधकर्ताओं का आह्वान करते हुए पूछा कि भारत अपने लड़ाकू विमानों के लिए जेट इंजन स्वयं क्यों नहीं बना सकता। उन्होंने सेमीकंडक्टर से लेकर अंतरिक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी और रक्षा तक भारतीय प्रतिभा को अपनी क्षमता के बल पर आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं के विचारों को रोकने के बजाय उन्हें अवसर देने और उनके नवाचार को राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। यह बदलाव केवल भाषणों तक सीमित नहीं है। आज छोटे शहरों, कस्बों और गांवों से निकलने वाली प्रतिभाएं स्टार्टअप, अंतरिक्ष, खेल, विज्ञान, डिजिटल तकनीक और विनिर्माण के क्षेत्र में नई पहचान बना रही हैं। प्रधानमंत्री ने लाल किले से यह भी रेखांकित किया है कि भारत के युवाओं ने देश को दुनिया के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम में स्थान दिलाया है और अनेक छोटे शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के युवा नई तकनीकी संभावनाओं को जन्म दे रहे हैं।

आत्मनिर्भर भारत इसी बदलती मानसिकता का परिणाम है। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से कट जाना नहीं, बल्कि दुनिया के साथ बराबरी से खड़े होकर अपने सामर्थ्य के आधार पर प्रतिस्पर्धा करना है। भारत अब केवल आयात करने वाला विशाल बाजार नहीं रहना चाहता; वह निर्माण करने, नवाचार करने और दुनिया को निर्यात करने वाला देश बन रहा है। मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, फार्मा, रक्षा उपकरण, अंतरिक्ष तकनीक और डिजिटल सेवाओं में भारत की क्षमता लगातार बढ़ी है। गैर-पेट्रोलियम वस्तुओं के निर्यात ने भी नए रिकॉर्ड बनाए हैं, जबकि सेवाओं के क्षेत्र में भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति लगातार मजबूत हुई है। आत्मनिर्भरता की सबसे प्रभावशाली तस्वीर रक्षा क्षेत्र में दिखाई देती है। कभी भारत विश्व के बड़े हथियार आयातकों में गिना जाता था, लेकिन अब स्वदेशी उत्पादन और रक्षा निर्यात दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के रक्षा निर्यात ने 38,424 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड स्तर हासिल किया, जो पिछले वर्ष के 23,622 करोड़ रुपये से 62.66 प्रतिशत अधिक है। यह परिवर्तन बताता है कि भारत अब केवल अपनी सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में आगे नहीं बढ़ रहा, बल्कि विश्व के देशों को रक्षा सामग्री उपलब्ध कराने की क्षमता भी अर्जित कर रहा है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ने गोला-बारूद, हथियार, उप-प्रणालियां, प्रणालियां और महत्वपूर्ण पुर्जे लगभग 80 देशों तक पहुंचाए हैं। 2013-14 में रक्षा निर्यात महज 686 करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गयाकृअर्थात एक दशक में लगभग 34 गुना वृद्धि। यह 'मेक इन इंडिया' से 'मेक फॉर द वर्ल्ड' की यात्रा का सशक्त प्रमाण है।

लेकिन आत्मनिर्भर भारत की असली परीक्षा केवल अर्थव्यवस्था और तकनीक में नहीं है। हमें ऐसा भारत बनाना है जो आत्मनिर्भर होने के साथ आत्मसंयमी भी हो, शक्तिशाली होने के साथ संवेदनशील भी हो और आधुनिक होने के साथ अपनी संस्कृति एवं नैतिक जड़ों से जुड़ा भी हो। महात्मा गांधी, भगवान महावीर और भगवान बुद्ध ने हमें बताया था कि विकास का अंतिम लक्ष्य मनुष्य की गरिमा और समाज में शांति है। यदि तकनीक बढ़ती जाए लेकिन मनुष्यता घटती जाए, यदि संपन्नता बढ़े लेकिन संवेदना कम हो जाए, यदि अधिकारों की मांग बढ़े लेकिन कर्तव्यबोध समाप्त हो जाए तो स्वतंत्रता अधूरी ही रहेगी। हमारे सामने आज भी गरीबी, बेरोजगारी, असमानता, भ्रष्टाचार, सामाजिक तनाव, हिंसा, पर्यावरण संकट और डिजिटल असमानता जैसी चुनौतियां हैं। इसलिए स्वतंत्रता दिवस केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करने का संकल्प भी है। हमें ऐसी नागरिक संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें सत्य, शुचिता, सहिष्णुता, अनुशासन, परस्पर सम्मान और राष्ट्रहित सर्वोपरि हों। लोकतंत्र की मजबूती केवल संसद या सरकार से नहीं होती; वह नागरिक के चरित्र से होती है। लोकतंत्र को मजबूत संसद के साथ मजबूत समाज और जिम्मेदार नागरिक भी चाहिए।

आज का भारत विश्व की युवा शक्ति का महत्वपूर्ण केंद्र है। 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य मूलतः युवाओं का लक्ष्य है, क्योंकि आज का युवा ही 2047 के भारत का नेतृत्व करेगा। प्रधानमंत्री ने 'विकसित भारत/2047 रू वॉइस ऑफ यूथ' पहल के माध्यम से युवाओं को केवल भविष्य के लाभार्थी नहीं, बल्कि परिवर्तन के एजेंट के रूप में सामने रखा है। इसीलिए 2026 के स्वतंत्रता दिवस अभियान का केंद्र भी युवाओं को एक मजबूत, आत्मनिर्भर, नवाचारी और भविष्य के लिए तैयार भारत के निर्माण से जोड़ना है। सरकारी 'माय भारत' पहल में युवाओं की भागीदारी को विशेष महत्व दिया गया है। 2047 की यात्रा में हमें युवाओं से केवल नौकरी पाने की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए; उन्हें रोजगार देने वाला, समस्या का समाधान खोजने वाला, नवाचार करने वाला और समाज का नेतृत्व करने वाला बनाना होगा। शिक्षा को डिग्री से कौशल, कौशल से रोजगार और रोजगार से उद्यमिता की ओर ले जाना होगा। गांव का युवा भी अंतरिक्ष में अवसर देखे, छोटे शहर की बेटी भी विज्ञान और तकनीक में विश्वस्तरीय पहचान बनाए, किसान का बेटा भी एग्रीटेक उद्यमी बने और सामान्य परिवार का युवा भी स्टार्टअप के माध्यम से हजारों लोगों के लिए रोजगार पैदा करे यही नए भारत की तस्वीर है।

आजादी की पहली लड़ाई में युवाओं ने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत को स्वतंत्र बनाया था। 2047 के भारत की लड़ाई में युवाओं को ज्ञान, नवाचार, चरित्र, परिश्रम और राष्ट्रभावना को अपना हथियार बनाना होगा। यदि 1947 की पीढ़ी ने पूछा था 'भारत को आजाद कैसे कराएं?', तो आज की पीढ़ी को पूछना होगा-ह्यभारत को दुनिया का विकसित, समर्थ, शांतिपूर्ण और नैतिक नेतृत्व करने वाला राष्ट्र कैसे बनाएं? 'स्वतंत्रता की सार्थकता इसी प्रश्न के उत्तर में छिपी है। हमें ऐसा भारत बनाना है जहां विकास की चमक के साथ मानवीयता की रोशनी भी हो; जहां विज्ञान आगे बढ़े तो संस्कार भी साथ चलें; जहां अर्थव्यवस्था मजबूत हो तो समाज भी समरस हो; जहां भारत अपनी सुरक्षा के लिए किसी पर निर्भर न हो और विश्व की शांति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

आज जब तिरंगा लाल किले की प्राचीर पर लहराएगा, तब हमें केवल यह नहीं कहना चाहिए कि भारत स्वतंत्र है, बल्कि यह संकल्प भी लेना चाहिए कि हम इस स्वतंत्रता को अधिक सार्थक, अधिक जिम्मेदार और अधिक जनकल्याणकारी बनाएंगे। 2047 का विकसित भारत सरकार का अकेला सपना नहीं, 140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक संकल्प होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने भी 2047 को नागरिकों के सपनों और संकल्पों से जोड़ते हुए स्पष्ट किया है कि विकसित भारत का निर्माण प्रत्येक भारतीय की भागीदारी से होगा। आजादी के अमृत से लेकर स्वतंत्रता के 80वें पड़ाव तक भारत ने लंबी यात्रा तय की है। अब अगला पड़ाव केवल आर्थिक शक्ति बनना नहीं, बल्कि विश्वास, विवेक, विज्ञान, संस्कार और सामर्थ्य से सम्पन्न भारत बनना है। शहीदों ने हमें स्वतंत्र भारत सौंपा था; अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम आने वाली पीढ़ी को एक ऐसा भारत सौंपें जिस पर उसे गर्व हो। 'यही स्वतंत्रता का नया आयाम है, यही 2047 की ओर बढ़ते भारत का संकल्प है और यही हमारे तिरंगे के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।'

इस 15 अगस्त पतंग उड़ाने वाले ध्यान दें

भूलकर न करें ये गलतियां, वरना पड़ सकते हैं दिक्कत में

15 अगस्त, ये सिर्फ तारीख नहीं बल्कि भारतवासियों के लिए बेहद खास दिन है क्योंकि इस दिन 1947 में हम आजाद हुए थे। इस दिन को पूरा देश पूरे उत्साह के साथ मनाता है। देश के प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर से तिरंगा फहराते हैं। यही नहीं लोग भी अपने घरों पर, दफ्तरों में, स्कूल-कॉलेज में, सोसायटी आदि में ध्वजारोहण करते हैं। इसके अलावा इस दिन बच्चों से लेकर बड़े लोग तक पतंग भी उड़ाते हैं और इस दिन को सेलिब्रेट करते हैं, लेकिन जरा ठहरिए अगर आप भी 15 अगस्त के दिन पतंग उड़ाने वाले हैं तो पहले आपको कुछ बातों को जान लेना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर आप कुछ गलतियां करते हैं तो ये आपको दिक्कत दे सकती हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

मांझे का ध्यान रखें

जब हम पतंग उड़ाते हैं तो सोचते हैं कि हम सबकी पतंग काटे और कोई हमारी पतंग न काट पाए। इसके लिए लोग अलग-अलग तरह के मांझे का इस्तेमाल करते हैं और कई लोग तो कांच वाला मांझा तक ले आते हैं। ऐसी गलती आप बिलकुल न करें। ऐसे मांझे के इस्तेमाल से पतंग उड़ाने वाले शख्स की उंगलियां कट सकती हैं। यही नहीं कई तरह की घटनाएं सामने आती हैं जिनमें सड़क पर जाने वाले लोगों के गर्दन पर भी इस मांझे की वजह से कट जाता है जिससे मौत तक हो सकती है। इसलिए कांच वाले मांझे का इस्तेमाल न करें।

बच्चों के साथ रहें

15 अगस्त के दिन अगर आप पतंग उड़ाते हैं तो अपने बच्चों का ध्यान रखें। दरअसल, बच्चे अकेले ही छतों पर पतंग उड़ाने चले जाते हैं। ऐसे में कई मामले ऐसे भी सामने आते हैं जिनमें बच्चों के छतों से गिरने की बात सामने आती है। इसलिए घर के बड़े लोगों को बच्चों के साथ ही रहना चाहिए और उनका ध्यान रखना चाहिए। आप चाहें तो पतंग उड़ाने के लिए अपने बच्चों को छत की जगह किसी खुली जगह जैसे- पार्क आदि ले जा सकते हैं।

पक्षियों का ध्यान रखें

पतंग उड़ाने के दौरान आपको पक्षियों का भी ध्यान रखना चाहिए क्योंकि आपके मांझे की वजह से कई पक्षियों की गर्दन, पैर आदि कट जाते हैं तो कई पक्षियों की मौत भी हो जाती है। इसलिए पतंग उड़ाते समय ये सुनिश्चित करें कि आपकी वजह से पक्षियों को परेशानी न हो।

ऑनलाइन, प्रिंट और प्रसारण चैनलों द्वारा विशेष प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित सिनेमा टेलीविजन पर दिखाए जा सकते हैं। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर, भारतीय राष्ट्रपति देश को संबोधित करेंगे। दिल्ली में, भारतीय प्रधानमंत्री ध्वजारोहण समारोह में भाग लेंगे और लाल किले पर राष्ट्र को संबोधित भी करेंगे। राज्य और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कलाकार अपनी छिपी प्रतिभा को प्रदर्शित करने और पहचान और पुरस्कार पाने के इस अवसर का लाभ उठाएँगे। कुछ स्थानों पर, स्वतंत्रता दिवस पर स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को सम्मानित किया जाता है।

भारत में स्वतंत्रता दिवस कैसे मनाया जाता है?

हर साल 15 अगस्त भारतीयों के लिए बहुत ही शुभ दिन होता है, जिस दिन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने का अवसर मिलता है। चूंकि यह राष्ट्रीय अवकाश होता है, इसलिए ध्वजारोहण समारोह के बाद सभी क्षेत्रीय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे। व्यावसायिक दुकानें भी बंद रह सकती हैं। या, संचालन के घंटे कम किए जा सकते हैं। देश भर के स्कूल और कॉलेज छात्रों और पुरस्कार विजेताओं के लिए विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन करेंगे।

ऑनलाइन, प्रिंट और प्रसारण चैनलों द्वारा विशेष प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित सिनेमा टेलीविजन पर दिखाए जा सकते हैं। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर , भारतीय राष्ट्रपति देश को संबोधित करेंगे। दिल्ली में, भारतीय प्रधानमंत्री ध्वजारोहण समारोह में भाग लेंगे और लाल किले पर राष्ट्र को संबोधित भी करेंगे। राज्य और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कलाकार अपनी छिपी प्रतिभा को प्रदर्शित करने और पहचान और पुरस्कार पाने के इस अवसर का लाभ उठाएँगे। कुछ स्थानों पर, स्वतंत्रता दिवस पर स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को सम्मानित किया जाता है।

भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947

भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 को 15 अगस्त 1947 को यूनाइटेड किंगडम (यूके) संसद द्वारा पारित किया गया था। न्यायिक संप्रभुता भारतीय संविधान सभा को हस्तांतरित कर दी गई थी। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के पिता किंग जॉर्ज षष्ठ ने देश के पूर्ण रिपब्लिकन संविधान में हस्तांतरण समाप्त होने तक राज्य का नेतृत्व करना जारी रखा। भारत ने महात्मा गांधी के नेतृत्व में ब्रिटिश प्रशासन से स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए कड़ा संघर्ष किया, जिन्हें आज राष्ट्रपिता के रूप में मान्यता प्राप्त है।

भारत के स्वतंत्रता दिवस का इतिहास

भारत 200 से अधिक वर्षों तक ब्रिटिश शासन के अधीन था। देश विदेशी शासकों से आज़ादी पाने के लिए बेताब था।

1857 में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के कानून के खिलाफ़ पहला धर्मयुद्ध हुआ। बाद में भारत की आज़ादी के लिए चलाए गए इस अभियान को कई नामों से पुकारा गया, जिनमें भारतीय विद्रोह, 1857 का विद्रोह, महान विद्रोह और भारत का पहला स्वतंत्रता संग्राम शामिल हैं। मोहनदास करमचंद गांधी की भूमिका अंग्रेजों से आजादी पाने में महत्वपूर्ण थी। देश भर में कई स्वतंत्रता सेनानियों ने उनका अनुसरण किया। जवाहरलाल नेहरू स्वतंत्रता के बाद भारत के पहले प्रधानमंत्री बने।

स्वतंत्रता दिवस के प्रतीक

स्वतंत्रता दिवस का प्रतीक पतंग उड़ाने की घटना है। लोग बाजार से विभिन्न रंगों, शेड्स और शैलियों की पतंगें खरीदते हैं। स्वतंत्रता दिवस का एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रतीक दिल्ली में लाल किला है। यह वह स्थान है जहाँ पहले भारतीय प्रधान मंत्री ने 15 अगस्त 1947 को भारतीय ध्वज का अनावरण किया था ।

स्वतंत्रता दिवस मनाने के कई तरीके

भ्रमण की योजना बनाएं- निकटतम गंतव्य तक एक छोटी यात्रा की योजना बनाएं।

ध्वजारोहण समारोह में शामिल हों- दिल्ली शहर के आसपास रहने वाले लोग स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण समारोह देखने के लिए दिल्ली की एक छोटी यात्रा पर जाने पर विचार कर सकते हैं, जो देखने में बहुत सुंदर होता है।

देशभक्ति से भरपूर फिल्में देखें- यह सबसे अच्छी चीज है जो आप कर सकते हैं। भारत के स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित कई फिल्में बनी हैं।

लाल किले पर ध्वजारोहण - भारत के प्रधानमंत्री हर साल स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले पर भारतीय ध्वज फहराते हैं। उसके बाद, माननीय प्रधानमंत्री भारत के लोगों, उनके बलिदानों, उपलब्धियों, चुनौतियों के साथ-साथ देश के लिए सरकार के दृष्टिकोण को स्वीकार करते हुए भाषण देते हैं। राष्ट्रीय ध्वज फहराना एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में देश के विकास के साथ-साथ ब्रिटिश शासन के अंत की प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति है। लाल किले पर होने वाला यह आयोजन उन स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मान और श्रद्धांजलि देने का एक तरीका है, जिन्होंने भारत को स्वतंत्र बनाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस के जश्न में देश के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकारों द्वारा शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी जाती हैं। ये सभी प्रस्तुतियां नृत्य, संगीत और विभिन्न अन्य पारंपरिक कला रूपों के माध्यम से भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत को उजागर करती हैं। ये प्रस्तुतियां एक ऊर्जावान और देशभक्तिपूर्ण माहौल बनाती हैं जो कार्यक्रम के उत्सव के मूड को और बढ़ा देती हैं।

एक छात्र वक्ता के रूप में यह आपका नैतिक कर्तव्य है कि आप उन भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान करें जिन्होंने अपने देश की समृद्धि और स्वतंत्रता के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। इस स्वतंत्रता दिवस पर दीजिए छोटा और असरदार भाषण। सबसे पहले मैं आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आज हम सभी यहां 80 वां स्वतंत्रता दिवस मनाने के एकजुट हुए हैं। पूरा देश आजादी की सालगिरह के जश्न में डूबा है।

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर दें ये दमदार भाषण

15 अगस्त 2026 को भारतीय 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाएंगे। इस अवसर पर भारत के लोग अपने घरों, दफ्तरों, सार्वजनिक स्थल, स्कूल, कॉलेज और सरकारी भवनों आदि जगहों पर उत्सव बनाते हैं। आजादी के इस जश्न में गीत-संगीत, नाटक और भाषण आदि कार्यक्रम होते हैं। उत्सव की कई गतिविधियां की जाती हैं। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के दिन भाषण देकर हम अपने महान नायकों का सम्मान कर सकते हैं। स्कूलों-कॉलेजों और अन्य संस्थानों में प्रेरणादायक भाषण देकर आप श्रोतागण में जोश भर सकते हैं। आप अपने जोशीले भाषण से तारीफ बटोर सकते हैं। इस आर्टिकल में हम आपको ऐसे ही भाषण का उदाहरण दे रहे हैं, जिसे सुनकर लोग तालियां बजाने पर मजबूर हो जाएंगे।

स्वतंत्रता दिवस सच्चे देशभक्तों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। स्वतंत्रता दिवस हमें ब्रिटिश शासन के 200 वर्षों के बाद मिली आजादी और उन शहीदों की याद दिलाता है जिन्होंने देश की खातिर अपना बलिदान दे दिया। 15 अगस्त के दिन भारत के लोग खुशी-खुशी आजादी का जश्न मनाते हैं। यह दिन आपकी मातृभूमि के प्रति आपके प्यार और गौरव को दर्शाता है। भारत के लोग अलग-अलग तरीकों से इस दिन को मनाते हैं। कुछ लोग ऐतिहासिक स्थानों पर पिकनिक मनाते हैं, कुछ बाइक रैली निकालते हैं तो कुछ देश के झंडे के रंग के कपड़े पहनते हैं। वहीं कई लोग ध्वजारोहण समारोहों में भाग लेते हैं। बता दें कि शैक्षणिक संस्थानों में कई स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जहां छात्र कई प्रेरक भाषण देते हैं और स्वतंत्रता दिवस से संबंधित कई अन्य गतिविधियों में भाग लेते हैं।

एक छात्र वक्ता के रूप में यह आपका नैतिक कर्तव्य है कि आप उन भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान करें जिन्होंने अपने देश की समृद्धि और स्वतंत्रता के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। इस स्वतंत्रता दिवस पर दीजिए छोटा और असरदार भाषण।

सबसे पहले मैं आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आज हम सभी यहां 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाने के एकजुट हुए हैं। पूरा देश आजादी की सालगिरह के जश्न में डूबा है। इस वर्ष भारत सरकार

जोश से भर जाएंगे श्रोतागण, गूंजेगी तालियां

'विकसित भारत' थीम के तहत स्वतंत्रता दिवस मना रही है। इस थीम के जरिए भारत सरकार 2047 तक देश को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में फोकस कर रही है।

साथियों, 15 अगस्त का शुभ दिन भारत के रीजनीतिक इतिहास में सबसे ज्यादा अहमियत रखता है। 15 अगस्त ही वह दिन है जब देश को अंग्रेजों की 200 सालों की गुलामी की बेड़ियों से मुक्ति मिली थी। ब्रिटिश राज में देश की जनता पर काफी अत्याचार किए गए। ब्रिटिश हुकूमत के जुल्मों से देश की जनता को छुटकारा दिलाने के लिए सैंकड़ों स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी। ऐसे में यह दिन उन महान क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने का भी है, जिन्होंने देश को आजादी दिलाने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। देश को आजाद कराने में महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, मंगल पाण्डे, ,राजगुरु, सुखदेव, जवाहरलाल नेहरु, लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक जैसे कई क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों का अहम योगदान रहा। यह दिन इन सभी क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करने और श्रद्धांजलि देने का दिन है।

साथियों! 15 अगस्त हर साल आता है और हमारे दिलोदिमाग में 'हम स्वतंत्र हैं और स्वतंत्र रहेंगे' का भाव जागृत कर चला जता है। यह सबसे बड़ा राष्ट्रीय पर्व राष्ट्र और राष्ट्रीयता की हलचल पैदा कर जाता है। वर्ष में राष्ट्र ने क्या खोया और क्या पाया का हिसाब बता जाता है। भारत माता और भारत की स्वतंत्र सत्ता के लिए कर्तव्य का भाव जगा जाता है।

आइए हम राष्ट्र ध्वज को नमन करें। राष्ट्र के कल्याण के प्रति अपने संकल्प को दोहराएं। देश के विकास व सुरक्षा और देशवासियों के कल्याण के प्रति हमेशा समर्पित रहने की प्रतिज्ञा लें। अब मैं अपने भाषण का समापन करना चाहूंगा। एक बार फिर से आप सभी को हैप्पी इंडिपेंडेंस डे।

आज हमारे एकत्र होने का कारण बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि आज स्वतंत्रता दिवस है। यह वह दिन है जब हमारे महान नेताओं जैसे महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, सरदार पटेल और कई अन्य लोगों के प्रयास सफल हुए। 15 अगस्त 1947 को हमारा आजादी पाने का सपना पूरा हो गया। यह समय ऐसी गतिविधियों को बढ़ावा देने का है जो हमारे देश के लिए उपयोगी हों। हमें आजादी के सही अर्थ को समझने की जरूरत है।

आज़ादी का मतलब यह नहीं है कि आप खुलकर कुछ भी करना चाहते हैं बल्कि यह आज़ादी महसूस करने, बोलने, सीखने, प्रदर्शन करने और अपना जीवन बिताने का नाम है। यह हमें किसी को भी यह बताने की शक्ति और साहस देता है कि आप गलत काम कर रहे हैं। हमें ऐसे कार्य करने का वादा करना चाहिए जो हमें एक अच्छा देशभक्त और हमारे देश का एक अच्छा निवासी बनायें। हमें पेड़ लगाना चाहिए और अपने देश को स्वच्छ और सुरक्षित रखना चाहिए। हमें अपने देश को दुनिया का सबसे अच्छा रहने योग्य क्षेत्र बनाना चाहिए। आइए भारत के लिए मिलकर काम करें। धन्यवाद!

स्वतंत्रता दिवस से जुड़ी ये 10 रोचक बातें, हर किसी को होनी चाहिए पता

स्वतंत्रता दिवस भारत का महत्वपूर्ण राष्ट्रीय त्योहार है, जो हर साल 15 अगस्त के दिन मनाया जाता है। इस दिन भारत ने ब्रिटिश शासन से आजादी हासिल की थी। स्वतंत्रता दिवस भारत के लिए गर्व और एकता का प्रतीक है। यह दिन हमें हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की कड़ी मेहनत और बलिदान की याद दिलाता है और एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक भारत के निर्माण के हमारे दायित्व को दोहराने का अवसर देता है। स्वतंत्रता दिवस से जुड़ी कई ऐसी रोचक बाते हैं, जो हर भारतीय को पता होनी चाहिए।

पहला आंदोलन

सदियों तक अंग्रेजी हुकूमत ने भारत पर राज किया लेकिन जब अंग्रेजों का उत्पीड़न बढ़ने लगा तो देश की अलग अलग जगहों पर विरोध शुरू हुआ। ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ और आजादी की मांग को लेकर सबसे पहला और बड़ा विरोध 1857 की क्रांति थी। इस क्रांति की आग पूरे देश में फैली और पूरे देश में आंदोलन शुरू हो गए।

पहला ध्वजारोहण- 15 अगस्त 1947 को भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लाल किले पर पहली बार ध्वजारोहण किया था। यह परंपरा तब से हर साल जारी है और हर प्रधानमंत्री इस दिन लाल किले पर झंडा फहराते हैं और देश को संबोधित करते हैं।

तिरंगे का निर्माण

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के डिजाइन को पिंगली वेंकैया ने तैयार किया था। मूल डिजाइन 1921 में महात्मा गांधी को प्रस्तुत किया गया था और वर्तमान तिरंगे को 22 जुलाई 1947 को भारत की संविधान सभा द्वारा अपनाया गया।

राष्ट ध्वज से जुड़े रोचक तत्व- भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में शामिल केसरिया रंग साहस का प्रतीक है। श्वेत रंग सत्य और शांति का प्रतीक है। हरी पट्टी उर्वरता, वृद्धि और भूमि की पवित्रता का प्रतीक है। इसमें मौजूद अशोक चक्र में 24 तीलियां होती है।

राष्ट्रगान

स्वतंत्रता दिवस पर जन गण मन को राष्ट्रगान के रूप में गाया जाता है। इसे पहली बार 1911 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता (अब कोलकाता) अधिवेशन में गाया गया था। रवींद्रनाथ टैगोर राष्ट्रीय गान के रचयिता हैं।

राष्ट्रगान के नियम

राष्ट्रगान गाए और बजाए जाते समय हमेशा सावधान की मुद्रा में खड़े रहना चाहिए। उच्चारण सही और 52 सेकेंड की अवधि में ही गाया जाना चाहिए

राष्ट्रीय प्रतीक

स्वतंत्रता के बाद 26 जनवरी 1950 को भारत का राष्ट्रीय प्रतीक, अशोक स्तंभ का सिंह, अपनाया गया। यह प्रतीक सारनाथ के अशोक स्तंभ से लिया गया है।

स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश भर में स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी जाती है। इस दिन को महात्मा गांधी, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे महान नेताओं और अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने का दिन माना जाता है।

भारतीय बैंकों में जमा राशि रिकॉर्ड स्तर पर, तीन पखवाड़े में 115 अरब डॉलर बढ़ी

मुंबई ।

भारतीय बैंकिंग प्रणाली में जमा राशि हाल ही में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है। यह उछाल मुख्य रूप से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की फॉरेन-करेंसी नॉन-रेसिडेंट (एफसीएनआर) स्कीम के तहत प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) से भारी डॉलर प्रवाह के कारण देखा गया है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 31 जुलाई तक के तीन पखवाड़ों में बैंकिंग सिस्टम में जमा राशि में कुल 11 ट्रिलियन रुपए (लगभग 115.25 बिलियन डॉलर) की रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह वृद्धि 1 अप्रैल से 15 जून के बीच हुई 3.87 ट्रिलियन रुपए की शुद्ध कमी को उलट देती है। वर्तमान में, भारतीय बैंकों में कुल जमा राशि रिकॉर्ड 269.4 ट्रिलियन रुपए पर पहुंच गई है। जून में आरबीआई ने एनआरआई जमा आकर्षित करने और ऋणदाताओं व सरकारी कंपनियों के लिए सस्ते डॉलर फंड जुटाने के लिए एक डिस्काउंटेड स्वैप विंडो की घोषणा की थी। जुलाई के अंत तक, इन स्कीमों के माध्यम से लगभग 41 बिलियन डॉलर का प्रवाह हुआ। एक सरकारी बैंक के ट्रेडर के अनुसार, डॉलर को रुपए में बदलने की तेज प्रक्रिया इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण है।

एयरटेल ने बंद किए सस्ते प्लान, अब ₹349 का सबसे सस्ता प्लान

नई दिल्ली।

भारती एयरटेल ने अपने प्रीपेड प्लान पोर्टफोलियो में बदलाव करते हुए ₹299 समेत चार रिचार्ज प्लान बंद कर दिए हैं। कंपनी ने ₹299, ₹579, ₹619 और ₹649 वाले प्लान 12 अगस्त से हटा दिए हैं । अब 28 दिन की वैधता वाला ₹349 प्लान सबसे सस्ता है. इसमें डेली-डेटा और अनलिमिटेड कॉलिंग प्लान की सुविधा है।

₹349 के प्लान में प्रतिदिन 2त्नक्क हाई-स्पीड डेटा, अनलिमिटेड लोकल-एसटीडी कॉलिंग और 100 एसएमएस प्रतिदिन मिलते हैं। पुराने ₹299 प्लान में 1.5त्नक्क दैनिक डेटा मिलता था। यानी समान अवधि के लिए ग्राहकों को अब ₹50 अधिक खर्च करने होंगे। हालांकि कंपनी ने इसे टैरिफ बढ़ोतरी नहीं है. सस्ते कम कीमत के प्लान हटाने से ग्राहकों के लिए सस्ते विकल्प के अवसर एयरटेल में सीमित हो गए हैं।

स्वतंत्र माइक्रोफिन 3,000 करोड़ के आईपीओ के लिए तैयार

सेबी के पास दाखिल किए दस्तावेज

नई दिल्ली ।

उद्यमी अनन्या बिड़ला के नेतृत्व वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबलीएफसी-एफआई) माइक्रोफिन लिमिटेड ने 3,000 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष प्राथमिक दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं। कंपनी द्वारा सेबी के पास जमा किए गए दस्तावेजों के अनुसार, यह आईपीओ 1,500 करोड़ रुपए तक के नए शेयर और 1,500 करोड़ रुपए तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा। नए शेयरों के निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग स्वतंत्र माइक्रोफिन अपने टियर-द्ध पूंजी आधार को मजबूत करने, भविष्य की वृद्धि को वित्तपोषित करने तथा आगे ऋण देने की क्षमता बढ़ाने के लिए करेगी। अनन्या बिड़ला इस वित्तीय समावेशन-केंद्रित कंपनी की चेयरपर्सन और गैर-कार्यकारी निदेशक हैं। स्वतंत्र माइक्रोफिन ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को बिना गारंटी वाले छोटे कर्ज और वित्तीय सेवाएं प्रदान कर वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देती है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद सेंसेक्स 70 अंक, निफ्टी 30 अंक गिरा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 70 अंक नीचे आकर 78,009.25 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 30 अंक टूटकर 24,366.00 पर बंद हुआ। बाजार में आई इस गिरावट के पीछे निवेशकों की मुनाफावसूली को भी एक बड़ा कारण माना गया है। इसके अलावा वैश्विक अनिश्चितताओं, खासकर अमेरिका की ओर से नौसैनिक नाकाबंदी की धमकी के बाद कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता के बीच भी बाजार में बिकवाली हावी रही जिससे भी वह गिरा। आज कारोबार के दौरान अपोलो हॉस्पिटल्स, भारती एयरटेल, अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पोर्ट्स और विप्रो के शेयरों में तेजी रही जबकि टाटा मोटर्स, जियो फाइनेंशियल, ओएनजीसी, एशियन पेंट्स और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। आज केवल मीडिया सेक्टर से जुड़ी कंपनियां ही बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुई। इसके अलावा फार्मा, सरकारी बैंक, एफएमसीजी और ऑटो जैसे अन्य सभी प्रमुख विभागों में गिरावट रही। व्यापक बाजार में भी हल्का दबाव देखा गया, जहां निफटी मिडकैप 0.17 फीसदी और निफ्टी स्मालकैप 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो निफ्टी मेटल सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाले सेक्टरों में रहा, वहीं निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल ने बाजार के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया। वैश्विक संकेतों और भू-राजनीतिक तनाव ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार शुरूआती कारोबार में दबाव में दिखा। वैश्विक अनिश्चितताओं, खासकर अमेरिका की ओर से नौसैनिक नाकाबंदी की धमकी के बाद कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता के बीच बाजार में बिकवाली हावी रही।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए चल रहे कूटनीतिक प्रयासों में ठहराव आने से निवेशकों में सतर्कता बढ़ी, जिसके चलते कीमती धातुओं में मुनाफावसूली देखी गई। हालांकि, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना कमजोर बने रहने से आगे चलकर इन धातुओं के लिए सकारात्मक रुझान बरकरार रहने की उम्मीद है। वैश्विक बाजार कॉमेक्स पर, सोना 4,370 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव 4,420.40 डॉलर से 48.10 डॉलर की गिरावट दशार्ता है। चांदी भी 0.86 डॉलर की गिरावट के साथ 64.13 डॉलर प्रति औंस पर आ गई, जो पिछले बंद भाव 64.99 डॉलर था।

बीसीसीआई में पहली बार बनेगा डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट का पद

● वीवीएस लक्ष्मण को मिल सकती है जिम्मेदारी, गौतम-अगरकर 2027 वर्ल्डकप तक बने रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई भारतीय क्रिकेट के पूरे सिस्टम को एक साथ जोड़ने की तैयारी में है। बोर्ड पहली बार डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट का पद बनाने जा रहा है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को यह जिम्मेदारी मिल सकती है। इसके

लिए उनका कॉन्ट्रैक्ट 2 साल बढ़ाने की तैयारी है। नई भूमिका में लक्ष्मण जूनियर क्रिकेट से लेकर सीनियर टीम तक के बीच तालमेल देखेंगे। खिलाड़ियों के रिहैब, कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ की नियुक्ति के साथ मेन्स और विमेंस क्रिकेट की निगरानी भी करेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) के हेड वीवीएस लक्ष्मण को बोर्ड 'डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट' नियुक्त करने वाला है। लक्ष्मण अपनी मौजूदा जिम्मेदारियां तो निभाते रहेंगे, लेकिन उनकी भूमिका पहले से ज्यादा व्यवस्थित होगी। लक्ष्मण, जो पहले जूनियर भारतीय टीमों, खिलाड़ियों के रिहैब और पुरुष व महिला क्रिकेटरों के लिए आगे बढ़ने के रास्तों (पाथवे) की देखरेख करते थे, अब आगे चलकर स्टाफ की नियुक्तियों के लिए भी जिम्मेदार होंगे। एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सार्वजनिक की है। मीडिया सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में बताया कि बीसीसीआई लक्ष्मण का कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाने वाला है, जिससे वह दो और साल तक सीओई में बने रहेंगे। कॉन्ट्रैक्ट बढ़ने के साथ उन्हें एक नया पद 'डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट' मिलेगा, जो पहले नहीं था। भूमिका में यह बदलाव भारतीय क्रिकेट के हर स्तर को जोड़ेगा (सीनियर कोच और सेलेक्टर से लेकर सीओई और युवा खिलाड़ियों के लिए बने सिस्टम तक) ताकि टैलेंट की पहचान और खिलाड़ियों के विकास के लिए एक जैसा तरीका अपनाया जा सके। लक्ष्मण के लिए यह एक स्वाभाविक अगला कदम है क्योंकि वह पहले से ही सीओई में गहराई से जुड़े हुए हैं और टैलेंट पाइपलाइन के हर चरण में काम कर रहे हैं। नेशनल सिलेक्शन कमिटी के चेयरमैन अजीत अगरकर का कार्यकाल सितंबर में खत्म होने वाला है। वहीं टेस्ट क्रिकेट में भारत की खराब स्थिति के बाद श्रीलंका के खिलाफ आगामी 2 मैच कोच के लिए आगे का रास्ता तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। मीडिया सूत्रों के हवाले से कहा कि बदली हुई भूमिका में लक्ष्मण असल में टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर और सिलेक्शन कमिटी के चीफ अजीत अगरकर से ऊपर होंगे। हालांकि अगरकर और गंभीर के तत्काल भविष्य पर कोई खतरा नहीं है।

राष्ट्रीय टीम में एंट्री की जंग शुरू

797 खिलाड़ियों ने चयन प्रक्रिया में झोंकी पूरी ताकत

रांची (एजेंसी)। 70वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता 2026-27 में झारखंड की ओर से प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों के चयन के लिए राज्य स्तरीय खुली चयन प्रक्रिया शुरू हो गई. स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद् ,रांची की ओर से आयोजित चयन प्रक्रिया में पहले दिन विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, फिटनेस और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया।

नौ खेलों में खिलाड़ियों का चयन परीक्षण - अलग-अलग खेल स्थलों पर आयोजित चयन प्रक्रिया में कुल 797 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया. बुधवार को नौ खेलों में खिलाड़ियों का चयन परीक्षण हुआ.

● एशियन गेम्स 2026

भारत-पाकिस्तान के बीच नहीं होगा कोई मुकाबला

नईदिल्ली (एजेंसी)। एशियन गेम्स अगले महीने 19 सितंबर से जापान में शुरू हो रहा है और 4 अक्टूबर को समाप्त होगा. इस खेल इवेंट में क्रिकेट प्रतियोगिता 17 सितंबर से 3 अक्टूबर तक चलेगी. पहले महिला का मुकाबला होगा, उसके बाद पुरुष प्रतियोगिता होगी. सभी मैच नागोया के पालोमा मिजुहो स्टेडियम में टी-20 फॉर्मेट में खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट में फैंस को भारत और पाकिस्तान के बीच मेडल मैच से पहले कोई मैच नहीं देखने को मिलेगा. क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, एशियन गेम्स क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान को अलग-अलग रखा गया है. टूर्नामेंट के ड्रॉ से यह तय हो गया है कि ये दोनों कट्टर प्रतिद्वंद्वी पुरुष और महिला क्रिकेट प्रतियोगिताओं में केवल मेडल मैच में ही आमने-सामने हो सकते हैं। चौथी सीड वाली पाकिस्तान टीम का क्वार्टरफाइनल में मुकाबला थाईलैंड से होगा. जीत मिलने पर सेमीफाइनल में उनका मुकाबला श्रीलंका या मलेशिया से हो सकता है. महिला फाइनल और ब्रॉन्ज-मेडल मैच 22 सितंबर को खेले जाएंगे।

▶▶ मेडल मैच में होगा मुकाबला

इस फिक्सचर से ये साफ हो गया कि भारत और पाकिस्तान ना तो क्वार्टरफाइनल में भिड़ेंगे और ना ही सेमीफाइनल में. लेकिन अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचीत हैं या फिर सेमीफाइनल हारती हैं तो वो दोनों मेडल मैच में आमने सामने हो सकते हैं. दोनों मेडल मैच 3 अक्टूबर को खेले जाएंगे।

▶▶ महिला प्रतियोगिता में भी यही नियम

महिला प्रतियोगिता में भी यही नियम अपनाया गया है, जिसका मतलब है कि शुरुआती राउंड में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला नहीं होगा. महिला टूर्नामेंट में भारत टॉप-सीडेड टीम है और क्वार्टरफाइनल में उसका मुकाबला जापान से होगा। अगर वे आगे बढ़ती हैं, तो सेमीफाइनल में उनका मुकाबला बांग्लादेश या हांगकांग चीन से होगा।

4 टीमें सीधे क्वार्टरफाइनल में

मेंस प्रतियोगिता में कुल 10 टीमें भाग लेंगी. जिसमें भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका को डायरेक्ट क्वार्टरफाइनल में प्रवेश मिलेगा. बाकी छह टीमों को, जिनमें अफगानिस्तान भी शामिल है, क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के लिए ग्रुप स्टेज से गुजरना होगा. जिसमें नेपाल, हांगकांग चीन, जापान, मलेशिया और ओमान के नाम शामिल हैं।

भारत और पाकिस्तान के मैच का शेड्यूल

भारत को क्वार्टरफाइनल 2 में रखा गया है, जबकि पाकिस्तान क्वार्टरफाइनल 1 खेलेगा. दोनों मैच 28 सितंबर को होंगे. जो ग्रुप स्टेज से आने वाली टीमों का सामना करेंगी. इसके बाद सेमीफाइनल ड्रॉ में भी भारत और पाकिस्तान को अलग-अलग रखा गया है. क्योंकि क्वार्टरफाइनल 1 की विजेता टीम का मुकाबला क्वार्टरफाइनल 3 की विजेता टीम से होगा, जबकि क्वार्टरफाइनल 2 की विजेता टीम का मुकाबला क्वार्टरफाइनल 4 की विजेता टीम से होगा. सेमीफाइनल 1 अक्टूबर को खेले जाएंगे।

इगा स्वियातेक ने नेशनल बैंक ओपन का खिताब जीता

पोलैंड (एजेंसी)। पोलैंड की सातवीं वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने गुरुवार को टोरंटो में नेशनल बैंक ओपन का फाइनल जीता। उन्होंने दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबकिना को 6-2, 6-3 से हराकर इस साल का पहला डब्ल्यूटीए टूर खिताब जीता।यह उनके करियर का 26वां खिताब है।

29 मिनट में जीता पहला सेट - 7वीं वरीयता प्राप्त स्वियातेक ने मैच की शुरुआत में ही दूसरी वरीयता प्राप्त रायबकिना की सर्विस ब्रेक कर दी। इसके बाद उन्होंने अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए पहला सेट 29 मिनट में 6-2 से जीत लिया।

तंजिद हसन ने रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले बांग्लादेशी खिलाड़ी बने

डार्विन (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। बांग्लादेश के ओपनर तंजिद हसन तमीम ने शुक्रवार को इतिहास रच दिया। वे ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले बांग्लादेशी क्रिकेटर बन गए हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने डार्विन के मरारा क्रिकेट ग्राउंड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट के दूसरे दिन यह उपलब्धि हासिल की। तंजिद ने 188 गेंदों में अपना पहला टेस्ट शतक पूरा किया। उन्होंने यह उपलब्धि बांग्लादेश की पहली पारी के दौरान हासिल की, जब ऑस्ट्रेलिया की टीम पहले दिन 198 रन पर ऑलआउट हो गई थी। उनके शतक ने बांग्लादेशी खिलाड़ी के लिए घर से बाहर टेस्ट शतक लगाने का लंबा इंतजार भी खत्म कर दिया। पिछली बार ऐसा 2022 में हुआ था, जब महमुदुल हसन जॉय ने डरबन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 137 रन बनाए थे।

कश्मीर की 17 वर्षीय एमएमए फाइटर रुत्बा शब्बीर

36 सेकंड में प्रतिद्वंद्वी को किया था ढेर

श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) (एजेंसी)। रुतबा शब्बीर को 9वीं एमएमए इंडिया नेशनल चैंपियनशिप में अपनी छाप छोड़ने के लिए ज्यादा समय नहीं लगा. बस 36 सेकंड ही काफी थे. जम्मू-कश्मीर की इस 17 साल की खिलाड़ी ने पिछले महीने इंदौर (मध्य प्रदेश) में बैंटमवेट फाइनल के पहले राउंड में अपनी प्रतिद्वंद्वी को नॉकआउट कर दिया। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें नेशनल चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल और 'बेस्ट फीमेल एथलीट' का अवॉर्ड मिला. हालांकि, रुतबा के लिए यह जीत सफर का अंत नहीं थी. उन्होंने ईटीवी भारत को बताया कि यह तो बस शुरुआत है. अभी बहुत कुछ सीखना बाकी है. उनका यह जवाब उस युवा फाइटर के बारे में उतना ही कुछ बताता है, जितना कि केज (रिंग) के अंदर उनकी तेजी से मिली जीत।

● कौन हैं रुत्बा शब्बीर? – रुत्बा श्रीनगर के हैदरपोरा की रहने वालीं हैं. वो अभी गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, अमीरा कदल में 11वीं क्लास की छात्रा हैं. वह 'एपेक्स एमएमए' का प्रतिनिधित्व करती हैं और 'स्रूछ्व×य' के फाउंडर व टीम इंडिया के ऑफिशियल मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स कोच आसिफ हुसैन की देखरेख में ट्रेनिंग लेती हैं. नेशनल लेवल पर मिली इस कामयाबी ने उन्हें उन युवा एथलीटों की लिस्ट में शामिल कर दिया है जो जम्मू-कश्मीर के बढ़ते स्रूमूवमेंट को नेशनल स्टेज पर ले जा रहे हैं।

बरसों की मेहनत का नतीजा

रुत्बा को यह पहचान रातों-रात मिली कामयाबी नहीं, बल्कि बरसों की मेहनत का नतीजा है. कोच आसिफ हुसैन ने बताया कि रुत्बा ने उनके अंडर करीब आठ से नौ साल तक ट्रेनिंग की है। एमएमए में आने से पहले वह वुशु में हिस्सा लेती थीं. उन्होंने एमएमए फाइटर के तौर पर खुद को तैयार करने में लगभग चार से पांच साल लगे. वो नेशनल लेवल पर कई मेडल जीत चुकी है. हुसैन ने उनमें आए बदलाव के बारे में बताते हुए कहा, 'वह हमेशा से ऐसी नहीं थीं।'उनके मुताबिक, रुत्बा शुरू में थोड़ी धीमी थीं और उन्हें अपनी फुर्ती पर काम करने की जरूरत थी.

भारत आज 600वां टेस्ट खेलेगा

जीता तो वेस्टइंडीज की बराबरी करेगा; श्रीलंका में स्पिन खेलना चुनौती

गॉल (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाजों की शनिवार से यहां शुरू हो रही दो टेस्ट मैच की श्रृंखला में स्पिन के खिलाफ कड़ी परीक्षा होगी और इस श्रृंखला का नतीजा मुख्य कोच गौतम गंभीर की देश के लाल गेंद क्रिकेट के प्रभारी के तौर पर भूमिका के लिए काफी अहम होगा। गंभीर के कार्यकाल में भारत सफेद गेंद (सीमित ओवरों का क्रिकेट) के क्रिकेट में लगभग अजेय टीम रहा है जिसका अंदाजा चैंपियंस ट्रॉफी, एशिया कप और टी20 विश्व कप में उसके खिताबी अभियान से लगाया जा सकता है। लेकिन टेस्ट क्रिकेट की तस्वीर काफी निराशाजनक है। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर क्लीन स्वीप ने भारत की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया है। लगातार मिली इन नाकामियों और इसके बाद सहयोगी स्टाफ के दो सहायक कोच तथा एक क्षेत्ररक्षण कोच के जाने से गंभीर और टीम के लिए तत्काल नई ऊर्जा के संचार की जरूरत महसूस होने लगी है। इसका यह मतलब नहीं है कि अगर श्रीलंका में भारत जीत हासिल नहीं कर पाता है तो गंभीर को तुरंत हटा दिया जाएगा लेकिन लाल गेंद के क्रिकेट में आगे की रणनीति को लेकर सत्ता के गलियारों में निश्चित रूप से चर्चा तेज होगी। हालांकि गॉल में खोई प्रतिष्ठा वापस

हासिल करना किसी भी मेहमान टीम के लिए आसान काम नहीं है। अक्सर यहां पहुंचकर सपने टूटते रहे हैं। अगर यह बात महज अतिशयोक्ति लगे तो आंकड़े पर्याप्त हैं। श्रीलंका ने 1998 से यहां खेले गए 49 टेस्ट में से 27 में जीत दर्ज की है। उसकी इस बादशाहत में चतुर स्पिनरों की बड़ी भूमिका रही है। मुथैया मुरलीधरन और रंगना हेराथ के स्वर्णिम दौर से श्रीलंका काफी आगे निकल चुका है लेकिन उसके पास अब भी प्रभात जयसूर्या और रमेश मेंडिस जैसे स्पिनर हैं, जिन्होंने गॉल को अपना किला बना रखा है। यह स्थिति मौजूदा भारतीय टीम के लिए अनुकूल नहीं है जिसके बल्लेबाज हाल के समय में मिचेल सैंटनर और साइमन हार्मर जैसे स्पिनरों के खिलाफ बुरी तरह संघर्ष करते नजर आए हैं। हालांकि, मौजूदा टीम में उस भारतीय टीम की झलक दिखती है जो 2017 में पिछली बार टेस्ट श्रृंखला खेलने श्रीलंका आई थी। विराट कोहली की अगुआई वाली उस टीम में कई ऐसे खिलाड़ी थे जो अपने करियर के मध्य चरण में थे। भारत ने उस दौरे पर 3-0 से श्रृंखला जीती थी जिसमें गॉल में मिली जीत भी शामिल थी। इसके बाद टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम के दबदबे का दौर शुरू हुआ था। मौजूदा टीम भी युवा कप्तान शुभमन गिल की अगुआई में करियर के मध्य चरण में पहुंच चुके अनुभवी खिलाड़ियों और अपनी जगह पक्की करने को बेताब युवा खिलाड़ियों से भरी है।

टीमें

▶▶ भारत : शुभमन गिल (कप्तान), लोकेश राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन, आकिब नबी और सरफराज खान।

▶▶ श्रीलंका : धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), लाहिरू उदारा, निशान मदुश्का, कामिंदु मेंडिस, दिनेश चांदीमल, पासिंदु सूरियाबंडारा, सोनल दिनूषा, निरोशन डिकवेला, रमेश मेंडिस, प्रभात जयसूर्या, केशारा नुवंथा, मिलन रत्नायके, असिथ फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, विश्व फर्नांडो और दिलशान मदुशंका।

समय : सुबह 10 बजे।

32 टीमों में 50 मुकाबले, भारत-पाकिस्तान मैच 19 अगस्त को

पहली बार महिला-पुरुष हॉकी वर्ल्डकप एक साथ होंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। 15 अगस्त से हॉकी वर्ल्ड कप की शुरुआत हो रही है। पहली बार महिला और पुरुष के टूर्नामेंट एक साथ हो रहे हैं। बेल्जियम और नीदरलैंड मिलकर इसकी मेजबानी कर रहे हैं। भारतीय पुरुष टीम वेल्स के खिलाफ टूर्नामेंट का पहला मैच खेलेगी। यह मैच दोपहर 4:30 बजे शुरू होगा। इससे पहले महिलाओं का पहला मैच ऑस्ट्रेलिया और जापान के बीच दोपहर 1:30 बजे से होगा।

16 दिन चलेंगे टूर्नामेंट, 2 वेन्यू पर मुकाबले - शनिवार से शुरू होने वाले टूर्नामेंट 16 दिन तक चलेंगे। दोनों टूर्नामेंट में कुल 50 मैच खेले जाएंगे। इनका आयोजन 2 फेज में होगा। पहला ग्रुप स्टेज, क्रॉसओवर पूल। फिर सेमीफाइनल और फाइनल मैच होंगे। सभी मैच 2 वेन्यू पर आयोजित होंगे।

कुल 32 टीमें हिस्सा ले रहीं - मेंस और विमेंस वर्ल्ड कप में 16-16 टीमें (कुल 32 टीमें) हिस्सा लेंगी। ग्रुप स्टेज में 16 टीमें 4 ग्रुप (ए, बी, सी, डी) में बंटेंगी और हर टीम 3 मैच खेलेगी। हर ग्रुप से टॉप-2 टीम क्रॉसओवर राउंड में जाएगी। इन 8 टीमों को 2 ग्रुपों में बांटा जाएगा। इस राउंड में हर टीम तीन और मैच खेलेगी।

29-30 अगस्त को फाइनल होंगे

फाइनल मैच 29 और 30 अगस्त को खेले जाएंगे। महिला वर्ल्ड कप का फाइनल 29 अगस्त को खेला जाएगा। जबकि, पुरुष वर्ल्ड कप का खिताबी मुकाबला 30 अगस्त को रात 8:00 बजे से शुरू होगा। दोनों फाइनल के दिन ब्रॉन्ज मेडल मैच भी होंगे।

- बेल्जियम में पहली बार वर्ल्ड कप
- इस बार के वर्ल्ड कप में क्वार्टर फाइनल नहीं होंगे।
- पहली बार पुरुष और महिला हॉकी वर्ल्ड कप एक साथ हो रहे हैं।
- बेल्जियम पहली बार वर्ल्ड कप होस्ट कर रहा है। उसकी मेंस टीम नंबर-1 है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-1-3-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
अपने काम को प्राथमिकता से करें। बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती है। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-4-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मान-सम्मान में वृद्धि होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। सुविधाओं में बाधा आएगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-4-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
संतोषजनक सफलता मिलेगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। मेहमानों का आगमन होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-5-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। वैचारिक उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 3979

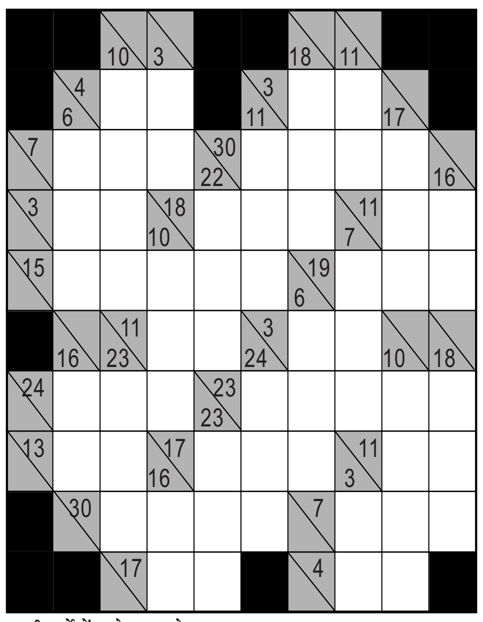

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

■	11 / 7	1	2	3	5
	1				
	2				
	4				

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3978 का हल

■	3	24	■	30	17	■	29	3	■
11	2	9	16	7	9	6	5	1	■
8	1	7	17 / 24	9	8	10 / 23	8	2	■
■	21	8	7	6	16	9	7	29	■
■	■	17 / 10	9	8	24 / 6	8	9	7	16
■	10 / 3	2	8	7 / 16	1	6	17	8	9
4	1	3	12	9	3	■	12 / 9	5	7
6	2	4	3 / 4	1	2	11 / 3	2	9	■
■	8	1	3	4	4	1	3	■	■
■	■	3	1	2	6	2	4	■	■

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधीश (एक बूढ़े चोर से)- तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुमने दिनदहाड़े चोरी की? तुम्हे पकड़े जाने जरा भी डर नहीं लगा।

कटघरे में खड़ा बूढ़ा चोर बोला- क्या करूँ सरकार! आजकल मुझे रात में बहुत नींद आती है, इसलिए मैंने दिन में दिनदहाड़े चोरी कर ली।

□ □ □

पुलिस इंस्पेक्टर (रमन से)- नालायक...! तुम इते गिरे हुए हो कि केवल पाँच सौ रुपए के लिए इस बुजुर्ग व्यक्ति का सिर फोड़ दिया?

रमन हवलदार- और क्या करता साहब... मजबूरी है! ऐसे ही तो बूँद-बूँद से घड़ा भरता है हुजूर।

□ □ □

न्यूक्लियर फैमिली में रहने वाला चंपू अपने पिता से बोलता है, पापा-पापा मैं भी अपनी शादी में आइटम गर्ल को डाँस करवाऊँगा।

पापा- बेवकूफ, क्या बकता है, यह तमाशा किस गधे की शादी में देख लिया?

चंपू- आपकी शादी के वीडियो में।

पापा- अबे नालायक अपनी मौसी और बुआ को नहीं पहचानता!!

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3979

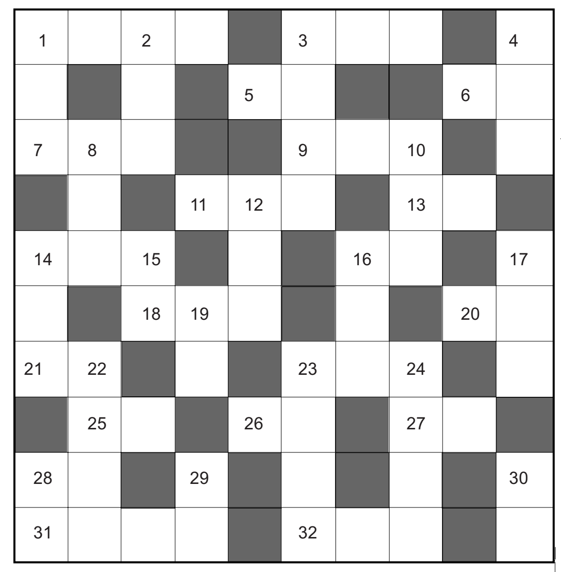

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, शरद, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि कपूर, जेबा, अश्विनी भावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में रणधीरकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है?-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. अजय देवगन, तब्बू की 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'खुशी' में फरदीन की नायिका?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली राजकुमार, राजेशखन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनील दत्त, नूतन की फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म?-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, नालासिन्हा की 'आज गालो मुस्करा लो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की एक फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3978

अ	जू	बा		जो	र		दा	मि	नी
ल		बा	जी		क्ष	त्रि	य		तू
बे	टा		न	म	क		ग	जा	
ला		अं	त			रे		लि	
	दा	दा		नू		जा	ने	म	न
मे		ज	ह	री	ले		हा		गिं
री	मा		त्या		कि	ला		द	स
जं		सू		म	न		म	र्द	
ग	द	र		द		आ	ह		डॉ
	म	ज	बू	र			ल	गा	न

सूडोकु -3979

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3978 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

शब्द पहेली - 3979

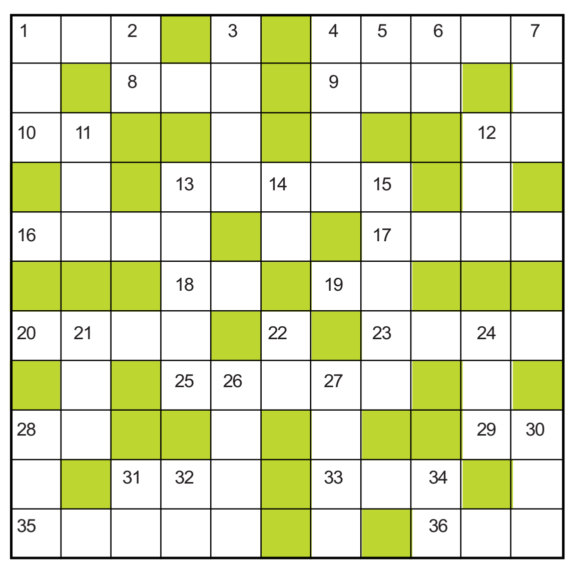

बाएँ से दाएँ

1.द्वेष,झगड़ा,रार-3
4.बुरकापोश-5
8.गागर,घड़ा-3
9.प्याऊ (उर्दू-3)
10.पैंदा,तला-2
12.बरस,वर्ष-2
13.सतत,लगातार-5
16.मजार,समाधि-4
17.उदारता,बड़पन्न-4
18.वायदा,कसम-2
19.महीना,माह-2
20.हमसफर-4
23.आदेश,आज्ञा-4
25.कहानी लेखक-5
28.गधा,गर्दभ-2
29.श्रवणेंद्रिय-2
31.बारिश,वर्षा-3
33.देवर्षि-3
35.दया करना-3,2
36.चिंतन

ऊपर से नीचे

1.कुपुत्र-3
2.अधिकार-2
3.सलाह,राय-4
4.अफसोस,खेद-4
5.शीतकालीन फसल-2
6.दलहन-2
7.ठंडा,सर्द-3
11.जिज्ञासा,उत्साह-3
12.बारिश का मौसम-3
13.धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14.रीत,परंपरा-2
15.जीवनसाथी, हमराही-5
21.मोर-3
22.जल,नीर-2
24.पीहर-3
26.गजशाला, हाथी घर-4
27.करतब, करामात-4
28.उपभोग,खर्च-3
30.नेत्र,चक्षु,आंख-3
31.सवारी गाड़ी-2
32.रहन,गिरवी वस्तु-2
34.ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली -3978 का हल

म	न	मो	ह	न		र	वा	ना	हो	ना
न		म	क	र		त	ल	ना		का
मो	ह			गि		ज			क	म
ह	म		आ	स	ल	गा	ना		मा	या
क	ल	र	व		क्ष्य		म	त	ल	ब
			भ	ला		जो	र			
ज	ग	म	ग		मौ		ख	चा	ख	च
मी	ल		त	म	त	मा	ना		र	म
न	त			हा		ल			ल	क
दा		म	चा	न		खा	रि	श		दा
र	म	णी	य	ता		ना	ट	क	का	र

लो कैल्शियम होने पर शरीर देता है ये संकेत, इन फूड्स से करें इसकी कमी दूर

शरीर की बेहद अहम जरूरतों में से एक है कैल्शियम। कैल्शियम हड्डियों और दांत की मजबूती के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। साथ ही ये मांसपेशियों को संकुचित करने की क्रिया में भी मदद करता है, जिससे हार्टबीट जैसी गतिविधि सुचारू रूप से संचालित होती है। कैल्शियम सामान्य रूप से ब्लड क्लॉट होने में भी मदद करता है।

शरीर में इतने सारे जरूरी कार्य करने के कारण कैल्शियम की कमी होते ही शरीर इसके संकेत देने लगता है, क्योंकि जब डाइट से कैल्शियम की आपूर्ति नहीं हो पाती है, तो शरीर हड्डियों से कैल्शियम लेना शुरू कर देता है। इसलिए समय रहते इसकी कमी के संकेत समझना जरूरी है नहीं तो गंभीर परिणाम भी भुगतने पड़ सकते हैं। कैल्शियम की कमी होने की स्थिति को हाइपोकेल्सीमिया कहते हैं।

कैसे समझें कैल्शियम की कमी के संकेत-

मांसपेशियों में खिंचाव और दर्द
हाथ और पैर में नियमित रहने वाला दर्द
किसी शारीरिक गतिविधि के बाद इस दर्द का बढ़ना
हाथ पैर की उंगलियों में सुन्नपन और झनझनाहट का एहसास।
ओस्टियोपिनिया और गंभीर रूप से ओस्टियोपोरोसिस की समस्या।
दांतों में कैविटी
ड्राई और रूखी त्वचा
नाखून का जल्दी टूटना और धीमा विकास होना

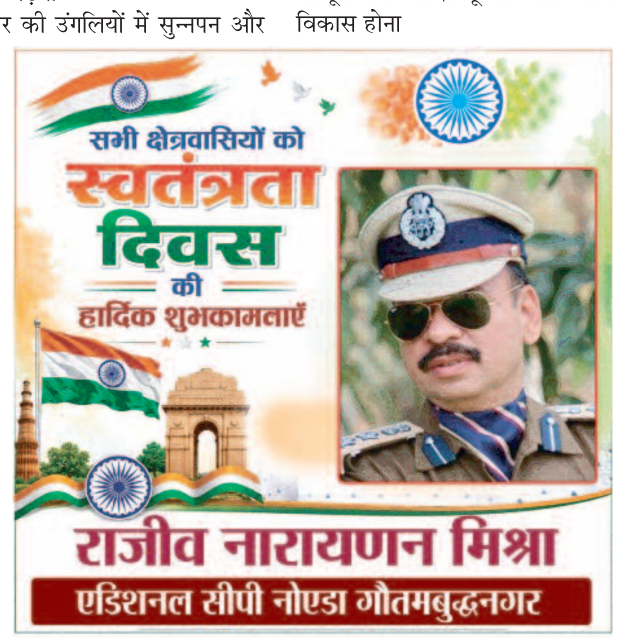

मेरे बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया

अन्नू कपूर उन कलाकारों में से हैं, जो अपने निर्भय और बिंदास बोल के कारण हमेशा सुर्खियों भी रहते हैं। हाल ही में अपने कुछ बयानों के कारण वे विवादों में आ गए थे। उससे होने वाले खामियाजे के बारे में वे कहते हैं, 'सच कहूं, तो मैंने कभी निर्भय होकर अपनी बात नहीं रखी है। मैंने तो हाल ही में जितना संभव हो सकता था, सच बोलने की कोशिश की है। मेरे उन्हीं बयानों को तोड़-मरोड़ कर बुरा बनाकर पेश किया गया। मेरा निजी तौर पर किसी से कोई बैर नहीं। हाथ जोड़कर विनती करता हूं कि मुझे माफ कर दो। मुझसे मत पूछो मैं नहीं जानता।'

तोड़ा-मरोड़ा कंटेंट दिया जाता है

वह आगे कहते हैं कि आज के दौर में सोशल मीडिया पर दिखाई जाने वाली कुछ सेकंड्स की क्लिप्स के लिए भी ऐसा तोड़ा-मरोड़ा हुआ कंटेंट दिया जाता है। वह कहते हैं, 'इस तरह की क्लिप्स में जनता को भी खूब रस आता है। तो इसे दिखाने वाले उसी सनसनीखेज अंदाज में पेश करते हैं। मुझे लगता है इन मामलों में हमारी सामूहिक जिम्मेदारी बनती है।'

हमारी नाटक कंपनी को नीची निगाह से देखा जाता था

हरफनमौला अन्नू कपूर एक जमाने में आईएएस ऑफिसर बनना चाहते थे। अपने उस दौर का जिक्र करते हुए वह कहते हैं, 'मेरे पिताजी की जो नाटक कंपनी थी। उसके कारण हमें नीची निगाह से देखा जाता था। इसलिए माता जी की इच्छा थी कि हम किसी भी इज्जतदार प्रोफेशन में जाएं। जैसे पुलिस, डॉक्टर, आईपीएस अफसर आदि। मैं पढ़ाई में अच्छा था, तो माता जी को मुझसे ही उम्मीद थी, मगर फिर हालात ऐसे बने कि पढ़ाई छूट गई। मैं भी नाटक कंपनी से जुड़ गया। हम तो टैंटों में रहा करते थे। हम घुमंतू जैसे फोक नाटक कंपनी में काम करते थे, तो बारिश के दिन हमारे लिए बहुत ही कहर बरसाने वाले होते थे। घुमंतू नाटकों में 15 दिन इस गांव में, तो 15 दिन उस गांव में जाना होता था। हर नई जगह जाकर स्टेज तैयार करना होता था। अब अगर बारिश हुई तो हम नाटक ही नहीं कर पाएंगे, क्योंकि सब कुछ ओपन एर में होता था। नाटक नहीं कर पाएंगे, तो पब्लिक नहीं आएगी और पब्लिक नहीं आई, तो पैसा नहीं मिलेगा। तब हमें भूखे भी रहना पड़ेगा। तो हम लोग तो भोंपू लेकर बारिश के रुकने के इंतजार मैं बैठे रहते थे कि कब भोंपू बजाएं और कब लोगों को नाटक के लिए बुलाएं। तब बारह आने हुए एक रुपए का टिकट हुआ करता था।'

कब्रिस्तान जाकर पढ़ाई करता था

अन्नू कपूर की हालिया रिलीज 'उत्तर दा पुत्तर' में वास्तु के अलावा अंधविश्वास के मुद्दे भी बात की गई। अन्नू कपूर ने बताया कि वह जरा भी अंधविश्वासी नहीं हैं। उन्होंने अपने स्कूल-कॉलेज के दिनों एक एक किस्सा बयान करते हुए कहा, 'मैं जब नीमच-मध्यप्रदेश में जीवाजीराव सिंधिया हॉस्टल में पढ़ा करता था, तब वहां उस जमाने में हमारे हॉस्टल के पास अंग्रेजों के जमाने का क्रिश्चनों का ग्रेवयार्ड था। मेरे मन में बहुत चाह जागती थी कि चांदनी रात में लालटेन लेकर उस कब्रिस्तान में पढ़ूं तो सही। आपको सुन कर अटपटा लगेगा, मगर मैंने जब वहां पढ़ना शुरू किया, तो मेरा मन लगने लगा।'

हर दिन शुभ, कोई जगह मनहूस नहीं होती

'फिजिक्स केमिस्ट्री का कोई इक्वेशन अगर समझ में नहीं आ रहा है, तो वहां समझ आने लगा। रिजल्ट भी अच्छा आया। मेरी देखा -देखी में मैंने भी अपने दोस्तों को वहां पढ़ने की दावत दी। पहले तो वो थोड़ा झिझके, मगर फिर वो लोग भी जुड़ गए। सालों बाद जब मेरा नीमच जाना हुआ, तो मैं उसी ग्रेवयार्ड को खोज रहा था। तब मेरे साथ के लोग बोले कि अब तो उस पूरे इलाके में बस्तियां बस गई हैं। अब तो उस जगह को आप कब्रिस्तान के रूप में ढूंढ ही नहीं पाएंगे। तो जाहिर है कि अपने कॉलेज के जमाने में भी मैं अंधविश्वासी नहीं था। मेरा मानना कि हर दिन शुभ होता है। कोई भी जगह मनहूस नहीं होती।'

'आवारापन 2' की टीम को मोहित सूरी ने दी बधाई

मोहित सूरी ने 'आवारापन' का पहला पार्ट डायरेक्ट किया था। अब फिल्म का दूसरा पार्ट रिलीज होने वाला है। फिल्म के अगले हिस्से पर बात करते हुए डायरेक्टर थोड़ा भावुक होते नजर आए।

फिल्म के सीक्वल की रिलीज से पहले, उन्होंने सीक्वल के निर्देशक नितिन कक्कड़ और पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है। जैसे कोई पुराना प्यार, या ऐसा दोस्त जिससे काफी समय से मुलाकात नहीं हुई, लेकिन आज भी बहुत याद आता है। 19 साल बाद भी यह फिल्म मेरे लिए उतनी ही मायने रखती है। धन्यवाद नितिन कक्कड़, आपने मेरे दिल के इतने करीब चीज को फिर से जिंदा किया, वो भी इतने प्यार, खूबसूरती और संवेदनशीलता के साथ। इस फिल्म पर काम करने वाले कई लोगों के साथ मैं पहले काम कर चुका हूं और आगे भी करूंगा। आप सबने बहुत शानदार काम किया है। इस ट्रेलर को देखकर मुझे बहुत सारी पुरानी यादें ताजा हो गईं।' उन्होंने आगे एक्टर इमरान हाशमी और दिशा पटानी का भी जिक्र किया। मोहित ने आगे लिखा, 'दिशा पटानी, मुझे तुम पर बहुत गर्व है, हमेशा की तरह। और इमरान हाशमी, मेरे हीरो और हमेशा हीरो रहोगे। मुझे यकीन है तुमने इस बार भी अपना पूरा दिल लगा दिया होगा, जैसे 18 साल पहले किया था। और मेरे छोटे भाई विशेष भट्ट- मैंने यह जिम्मेदारी तुम्हें दे दी है, और अब मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं कि दुनिया तुम्हारा जादू देखे। शुभकामनाएं मेरे भाई। ट्रेलर बहुत पसंद आया। आप सभी को ढेर सारी बधाई। सभी लोग 14 अगस्त को सिनेमाघरों में जाकर 'आवारापन 2' जरूर देखें। तो फिर आओ... मुझको सताओ... मुझको रुलाओ।'

नितिन कक्कड़ के निर्देशन में बनी और विशेष फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस 'आवारापन 2' 14 अगस्त 2026 को दुनियाभर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में इमरान हाशमी के साथ दिशा पटानी नजर आएंगी, जो जारा के किरदार में एक्शन करती दिखेंगी।

नयनतारा ने तोड़ा अपना नियम 'टॉक्सिक' के प्रमोशनल इवेंट में पहुंचने के पीछे का बताया कारण

दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय और चर्चित अभिनेत्रियों में नयनतारा आमतौर पर न तो ज्यादा इंटरव्यू देती हैं और न ही अपनी फिल्मों के प्रमोशनल इवेंट्स, ट्रेलर लॉन्च या प्री-रिलीज कार्यक्रमों में नजर आती हैं। यही वजह है कि जब भी वह किसी फिल्म के प्रमोशनल कार्यक्रम में पहुंचती हैं, तो यह चर्चा का विषय बन जाता है। इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जब वह यश की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में पहुंचीं। अभिनेत्री ने खुद बताया कि उन्होंने इस इवेंट में शामिल होने के लिए अपने पुराने नियम में बदलाव क्यों किया। नयनतारा जल्द ही यश स्टारर फिल्म 'टॉक्सिक' में गंगा के किरदार में नजर आने वाली हैं। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान उन्होंने फिल्म को लेकर अपनी बात रखी। हालांकि, सबसे ज्यादा ध्यान उनकी उस बात ने खींचा, जिसमें उन्होंने प्रमोशनल इवेंट्स से दूरी बनाने की वजह बताई। नयनतारा ने कहा, ''मुझे प्रमोशनल इवेंट्स में शामिल होने में कोई परेशानी नहीं है, लेकिन मैं इस तरह के कार्यक्रमों में अच्छी नहीं हूं। मुझे लगता है कि ऐसे कार्यक्रमों में मैं उस तरह से सहज नहीं हो पातीं, जिस तरह दूसरे कलाकार आसानी से अपनी बात रखते हैं। इसलिए मैं अक्सर प्रमोशनल इवेंट्स से दूर रहना ही पसंद करती हूं। मेरा इन कार्यक्रमों से दूर रहना किसी तरह की नाराजगी या अपनी फिल्मों के प्रति कम दिलचस्पी की वजह से नहीं है।''

'टॉक्सिक' के मामले में नयनतारा ने बताया कि इस बार कार्यक्रम में शामिल होने के पीछे कई वजहें थीं, लेकिन सबसे बड़ी वजह यश थे। उन्होंने कहा, ''यश ने मुझे सिर्फ फोन किया और उनके लिए इतना ही काफी था कि मैं इस इवेंट में शामिल हो जाऊं।'' नयनतारा ने यश के साथ काम करने के अनुभव के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''फिल्म इंडस्ट्री में हर बड़ा कलाकार अपने आप में खास होता है और सभी कलाकारों में कुछ अलग खूबियां होती हैं। यही वजह है कि वे सभी सुपरस्टार बने हैं लेकिन यश के साथ मेरी पहली मुलाकात का अनुभव कुछ अलग रहा। यश की पर्दे पर जो बड़ी और दमदार छवि दिखाई देती है, असल जिंदगी में भी वह काफी हद तक वैसे ही हैं।''

अभिनेत्री ने कहा, ''यश को पहली बार मिलने पर मुझे यह महसूस हुआ कि उनका पर्दे वाला व्यक्तित्व सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है। उनकी शख्सियत में भी वही आत्मविश्वास और प्रभाव नजर आता है, जो उनकी फिल्मों में दिखाई देता है।

'लव एंड वॉर' का हिस्सा हो सकती हैं दीपिका

संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' पहले से ही बॉलीवुड की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। अब रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ दीपिका पादुकोण के भी फिल्म में होने की नई अटकलों ने फैंस को उत्साहित कर दिया है। हालांकि मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन 'लव एंड वॉर' के आईएमडीबी पेज ने कास्टिंग की इन अफवाहों को हवा दी है।

'लव एंड वॉर' के आईएमडीबी पेज के कास्ट सेक्शन में मुख्य कलाकारों के साथ दीपिका पादुकोण का नाम भी देखा जा सकता है। हालांकि उनके रोल के बारे में कोई जानकारी नहीं है, लेकिन इंटरनेट पर लोग सोच रहे हैं कि शायद दीपिका फिल्म में एक स्पेशल अपीयरेंस (छोटी भूमिका) में दिख सकती हैं। मेकर्स ने अभी तक इन अटकलों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। अगर भंसाली और दीपिका एक बार फिर साथ आते हैं, तो यह दर्शकों के लिए एक तोहफा होगा। रणबीर और दीपिका ने 'बचना ऐ हसीनों', 'ये जवानी है दीवानी' और 'तमाशा' जैसी कई हिट फिल्मों में साथ काम किया है। वे दोनों आज के समय की सबसे मशहूर ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक हैं।

एग फ्रीजिंग ट्रेंड पर बोलीं सुरभि चंदना

एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने एक्ट्रेस और महिला सेलिब्रिटीज के बीच एग्स फ्रीज़ करने के बढ़ते ट्रेंड पर अपनी राय दी। खास बातचीत में सुरभि ने कहा कि हालांकि वह उन सभी महिलाओं का समर्थन करती हैं जो अपने एग्स फ्रीज करने का फैसला करती हैं, लेकिन उन्हें खुद ऐसा करने की जरूरत महसूस नहीं होती, क्योंकि वह चीजों को उनके नैचुरल तरीके से होने देने में विश्वास रखती हैं।

'नागिन' एक्ट्रेस से पूछा गया, 'आजकल बहुत सी एक्ट्रेस अपने एग्स फ्रीज करवा रही हैं। इस पर आपकी क्या राय है?' इस पर जवाब देते हुए सुरभि ने अपनी बहन का उदाहरण दिया, जिन्होंने बिना किसी मेडिकल मदद के 39 साल की उम्र में मां बनने का अनुभव लिया। उन्होंने बताया, 'मेरी बहन ने 39 साल की उम्र में एक बेटे को जन्म दिया। वह अब दो साल का है – और यह एक नॉर्मल डिलीवरी थी। मैं भी इसमें विश्वास रखती हूं, और जो लोग एग्स फ्रीज करना जरूरी समझते हैं, बहुत अच्छी बात है, लेकिन जैसा कि मेरी गायनेकोलॉजिस्ट ने मुझे बताया था, अगर आप ऐसा करती हैं तो बहुत ज्यादा हार्मोनल असंतुलन हो सकता है।' 'मुझे लगता है कि हर बच्चा अपनी किस्मत लेकर इस दुनिया में आता है। मुझे नहीं पता कि क्या होगा, लेकिन मुझे लगता है कि मेरी बहन, जिसकी नौकरी में बहुत ज्यादा ट्रैवल करना पड़ता है और जिसका शरीर बहुत ज्यादा तनाव से गुजरता है, अगर वह नैचुरली बच्चे को जन्म दे सकती है, तो मैं भी नैचुरल तरीका ही अपनाना चाहती हूं।' सुरभि ने आगे माना कि उन्हें अभी भी एग्स फ्रीज करने की प्रक्रिया से जुड़े हार्मोनल असंतुलन से थोड़ा डर लगता है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि हम कब प्लान करेंगे, लेकिन यह सही समय आने पर होगा। जब भी ऐसा होगा, यह भगवान का तोहफा होगा।'

104 डिग्री बुखार में भी शूटिंग करती रहीं अविका गोर, डेंगू ने बिगाड़ी तबीयत

'बालिका वधू' और 'ससुराल सिमर का' जैसे मशहूर शोज से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली टीवी और फिल्म एक्ट्रेस अविका गोर को लेकर शॉकिंग खबर सामने आई है। पिछले पांच दिनों से 103-104 डिग्री के खतरनाक बुखार से जूझ रहीं अविका को डेंगू की पुष्टि होने के बाद मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अविका गोर को गंभीर हालत के बावजूद काम के प्रति उनका समर्पण देखकर हर कोई हैरान है। इस कठिन समय में उनके पति मिलिंद चंदवानी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर अविका का हेल्थ अपडेट दिया है और फैंस से उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करने की अपील की है।

104 डिग्री बुखार में 2 दिन का काम 1 दिन में निपटाया

मिलिंद चंदवानी ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में अविका के काम के प्रति असाधारण जुनून का खुलासा किया। मिलिंद ने बताया, अविका पिछले पांच दिनों से 103 से 104 डिग्री बुखार से तप रही थीं। इसके बावजूद उन्होंने काम से ब्रेक नहीं लिया। उनके एक प्रोजेक्ट की दो दिन की शूटिंग बाकी थी। इतने तेज बुखार में भी उन्होंने इतनी बेहतरीन परफॉर्मेंस दी कि मेकर्स ने दो दिन का काम महज एक ही दिन में पूरा कर लिया। शूटिंग खत्म करने के बाद अविका को दो दिन का ब्रेक मिला। इस दौरान वह पूरी तरह बिस्तर पर थीं, दवाइयां ले रही थीं और उनके लिए ठीक से खाना खाना या हिलना-डुलना भी मुश्किल हो रहा था। लेकिन अपने पुराने प्रोफेशनल कमिटमेंट को पूरा करने के लिए वह इसी हालत में दिल्ली के लिए रवाना हो गईं और वहां एक विज्ञापन की शूटिंग पूरी की। दिल्ली जाने से पहले अविका ने ब्लड टेस्ट कराया था। जब वह वापस मुंबई लौटीं, तब रिपोर्ट में डेंगू होने की पुष्टि हुई, जिसके तुरंत बाद उन्हें अस्पताल में एडमिट कराना पड़ा।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ0प्र0) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा * ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)